CNEWS मिटी चीफ

मिटी चीफ

वर्ष-17, अंक-208 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत में चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 11 नवंबर 2026



न्यूज अपटेड

भोपाल में शराब पीने से रोकने पर युवक ने पानी की टंकी से लगाई छलांग, मौत



भोपाल. राजधानी भोपाल के गुनगा गांव में शराब पीने से रोकने पर 20 वर्षीय युवक ने पानी की ऊंची टंकी से छलांग लगा दी. नीचे गिरने से गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौत हो गई. घटना के दौरान युवक का भाई भी उसे समझाने और बचाने के लिए टंकी पर चढ़ा था, लेकिन वह उसे छलांग लगाने से नहीं रोक सका.मृतक की पहचान शंकर अहिरवार (20) के रूप में हुई है. परिजनों के मुताबिक, शंकर को शराब पीने की आदत थी. इसको लेकर घर में अक्सर विवाद होता था. घटना वाले दिन भी परिजनों ने उसे शराब पीने से रोका था. इससे नाराज होकर वह घर से निकल गया और गांव के पास स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गया.शंकर को टंकी पर चढ़ा देखकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए. सभी ने उसे नीचे उतरने के लिए समझाया. इसी दौरान उसका भाई भी उसे बचाने के लिए टंकी पर चढ़ गया और नीचे आने की मिन्नतें करने लगा.

रतलाम में TTE पर लगा वसूली का आरोप, छात्र से लिए 400 रुपए, रसीद भी नहीं दी



रेलवे की पारदर्शिता और यात्रियों की सुविधा के दावों के बीच रतलाम मंडल में वसूली और कर्मचारियों की कथित दबंगई का मामला सामने आया है। मंदसौर से चित्तौड़गढ़ जा रहे एक छात्र से जनरल टिकट को एसी श्रेणी में अपग्रेड करने के नाम पर 400 रुपए लेने और रसीद नहीं देने का आरोप है। हद तब हो गई, जब रसीद मांगने पर टीटीई ने कथित तौर पर शिकायत करने की चुनौती देते हुए अधिकारियों तक त्योहार का हिस्सा पहुंचने की बात कह दी। छात्र ने पूरी घटना मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली। वीडियो वायरल होने के बाद रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि पत्रिका इसकी पुष्टि नहीं करता है।मंदसौर निवासी छात्र करण सांखला के अनुसार, 6-7 नवंबर की दरमियानी रात करीब 12:30 बजे उसे आपात स्थिति में मंदसौर से चित्तौड़गढ़ जाना था। इसके लिए उसने ट्रेन संख्या 19712 का वैध जनरल टिकट लिया। रात में वह ए-1/ए-2 कोच में चढ़ गया और ड्यूटी पर मौजूद टीटीई से नियमानुसार एसी श्रेणी में टिकट अपग्रेड करने तथा अतिरिक्त किराये की रसीद देने को कहा।आरोप है कि टीटीई ने उससे 400 रुपए ले लिए, लेकिन कोई रसीद नहीं दी।

चित्रकूट मेले में 72 हजार रुपये में बिका 'चंकी पांडे' नाम का गधा, अब खबर पर एक्टर का रिएक्शन आया सामने



चंकी पांडे एक ऐसी खबर के कारण चर्चा में आ गए हैं जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की होगी और इस खबर का मुख्य किरदार कोई इंसान नहीं, बल्कि एक जानवर है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट में लगे सालाना गधा मेले में चंकी नाम के एक गधे की कीमत 72,000 रुपये लगी। यह इस मेले में सबसे महंगी कीमत पर बिकने वाला गधा बन गया।रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस गधे ने अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बॉलीवुड के सुपरस्टार्स के नाम पर रखे गए गधों को भी पीछे छोड़ दिया। व्यापारियों ने खरीदारों को आकर्षित करने के लिए अपने अपने गधों के ये फेमस नाम रखे थे, और 64 वर्षीय एक्टर को इस खबर को सुनकर बहुत मजा आया

विरासत में मिली संपत्ति से बेटे को बेदखल कर सकता है पिता

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कानूनी अधिकार

नई दिल्ली. पिता को अपने पिता से विरासत में मिली संपत्ति पर बेटे का स्वत- जन्मसिद्ध अधिकार नहीं होता. ऐसी संपत्ति पर पिता का पूर्ण स्वामित्व स्थापित होने की स्थिति में वह अपनी इच्छा के अनुसार उसका उपयोग, हस्तांतरण या वसीयत कर सकता है. यहां तक कि वह अपने बेटे को भी संपत्ति में हिस्सा देने से इनकार कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति के उत्तराधिकार और दावे से जुड़े एक मामले में यह महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था दी है.

विरासत में मिली संपत्ति पर पिता का पूर्ण अधिकारसुप्रीम कोर्ट ने संपत्ति संबंधी कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए कहा कि पिता को विरासत या वसीयत के जरिए मिली संपत्ति हर स्थिति में संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं मानी जा सकती. यदि कानून के तहत उस संपत्ति पर पिता का पूर्ण स्वामित्व स्थापित हो जाता है, तो वह उसका स्वतंत्र रूप से प्रबंधन, बिक्री या हस्तांतरण कर सकता है.



ऐसी स्थिति में बेटा केवल इस आधार पर संपत्ति में हिस्सेदारी का दावा नहीं कर सकता कि संपत्ति उसे दादा से प्राप्त हुई थी.29 साल पुराना संपत्ति विवाद, बेटे की याचिका खारिजजस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने करीब 29 साल पुराने संपत्ति विवाद का निपटारा करते हुए बेटे की बंटवारे की मांग खारिज कर दी. मामले में बेटे ने वर्ष 1997 में पिता के खिलाफ मुकदमा दायर किया था. उसका तर्क था कि विवादित संपत्ति पैतृक और संयुक्त हिंदू परिवार की है, इसलिए उसमें उसका भी जन्म से अधिकार है.निचली अदालतों से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामलायह विवाद निचली अदालतों और हाईकोर्ट से होता हुआ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था. शीर्ष अदालत ने मामले के दस्तावेजों और उत्तराधिकार कानून के प्रावधानों पिता को अपने पिता से प्राप्त संपत्ति में कानूनी रूप से पूर्ण स्वामित्व हासिल था. इसलिए बेटा इसे संयुक्त परिवार की संपत्ति बताते हुए बंटवारे की मांग नहीं कर सकता.हर विरासत की संपत्ति में नहीं होता अगली पीढ़ी का जन्मसिद्ध अधिकारइस फैसले से स्पष्ट होता है कि दादा से पिता को मिली हर संपत्ति में पोते का स्वत जन्मसिद्ध अधिकार नहीं बनता. हालांकि, संपत्ति की प्रकृति, उसके अर्जित होने के तरीके और उत्तराधिकार से जुड़े कानूनी प्रावधानों के आधार पर अधिकार तय होंगे. इसलिए पैतृक संपत्ति और पिता को विरासत में मिली व्यक्तिगत संपत्ति के बीच अंतर करना जरूरी है.

बस्तर में पीएम मोदी के दिवाली संबोधन पर राहुल गांधी का पलटवार, फिर दी खुली बहस की चुनौती

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ के बस्तर दौरे और सीआरपीएफ जवानों के साथ दिवाली मनाने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी के संबोधन पर सवाल उठाते हुए उन्हें एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के बयानों पर जवानों को भरोसा नहीं है. उन्होंने सवाल किया कि आखिर देशद्रोही कौन है और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को बहस करनी चाहिए.

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर लगाए आरोपराहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि जवान प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं करते. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को नक्सली कहा था. इसी बयान को लेकर राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि देशद्रोही कौन है? उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर आमने-सामने बहस करने की चुनौती दी.बस्तर में पीएम मोदी ने नक्सलवाद पर क्या कहा



था? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में सीआरपीएफ जवानों के साथ दिवाली मनाई थी. इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने देश में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई और इसके खात्मे की दिशा में हुई प्रगति का जिक्र किया.पीएम मोदी ने कहा था कि हथियारबंद माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद नक्सलवाद का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है. उन्होंने आरोप लगाया था कि विचारधारा के स्तर पर नक्सलवाद अब भी कई राजनीतिक दलों और संगठनों में मौजूद है. प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को दिमागी नक्सली बताते हुए कहा था कि वे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं.

पहले भी कई बार पीएम मोदी को दे चुके हैं चुनौती

राहुल गांधी इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती दे चुके हैं. 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा करने की बात कही थी. राफेल सौदे को लेकर भी राहुल गांधी ने 2018 में पीएम मोदी पर सवाल उठाए थे और दावा किया था कि वे उनके सवालों का जवाब नहीं दे पाएंगे. लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी की चुनौती पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वे बार-बार एक ही स्क्रिप्ट दोहरा रहे हैं. अब बस्तर में प्रधानमंत्री के बयान के बाद राहुल गांधी की नई चुनौती ने राजनीतिक बहस को फिर तेज कर दिया है.

अखिलेश के लिए अयोध्या चुनौती या नए रास्ते का फॉर्मूला?



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तपिश गर्मा गई है. अयोध्या का राम मंदिर फिर से चर्चा के केंद्र में है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव 12 दिसंबर को परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे. अखिलेश का अयोध्या दौरा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि इसके गहरे सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं.

अखिलेश यादव का अयोध्या दौरा सामने आते ही सियासत गर्मा गई है. सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सहित बीजेपी नेताओं का कहना है कि कारसेवकों पर गोली चलाने के लिए माफ़ी मांगकर अखिलेश दर्शन के लिए आएं.

सपा प्रमुख अखिलेश के रामलला के दर्शन और हनुमानगढ़ी में पूजन के कार्यक्रम को भाजपा के उस नैरेटिव के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें सपा पर राम मंदिर और हिंदू आस्था से दूरी बनाने के आरोप लगते रहे हैं. ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या अखिलेश यादव उलझ जाएंगे या फिर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ सॉफ्ट हिंदुत्व का संतुलन बनाएंगे?

अखिलेश यादव अयोध्या में राम मंदिर जाकर रामलला के दर्शन करेंगे. राम मंदिर निर्माण के बाद पहली बार अखिलेश यादव अपने परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे. अखिलेश अपनी पत्नी एवं सांसद डिंपल यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर जाएंगे और वहां पूजा करेंगे. इसके बाद वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर जाकर रामलला के दर्शन व पूजन करेंगे. तत्पश्चात वे अयोध्या के संतों से मिलेंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा को 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है. इस यात्रा को समाजवादी पार्टी की बदली हुई



नितिन नवीन के स्वागत की तैयारी में जुटी BJP, स्मृति ईरानी लेंगी कार्यक्रम स्थल का जायजा

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को लेकर भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में होने वाले इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी रायपुर पहुंचीं। यहां से वे सीधे धरमजयगढ़ के लिए रवाना होंगी। वहां कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के साथ अधिकारियों और भाजपा नेताओं की बैठक लेंगी। बैठक में आयोजन नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल होंगे। उनके दौरे को देखते हुए पार्टी स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

एयर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी! वॉशरूम में मिला नोट, यात्रियों को विमान से उतारा गया

कोलकाता कोलकाता एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट के वॉशरूम में विमान को हाईजैक करने की धमकी वाला नोट मिला। विमान के टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। नोट में सुबह 11.10 बजे विमान को हाईजैक करने की बात कही गई थी। इसके बाद पायलट ने एटीसी को सूचना दी और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। विमान में सवार सभी यात्रियों को नीचे उतारकर फ्लाइट को आइसोलेशन बे में भेज दिया गया।उड़ान से पहले मिला हाईजैक की धमकी वाला नोटमुंबई जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट को बुधवार सुबह 10.20 बजे कोलकाता से रवाना होना था। उड़ान से कुछ समय पहले विमान के वॉशरूम में हाईजैक की धमकी वाला नोट मिला।

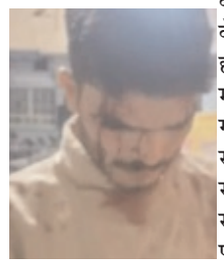


कोलकाता एयरपोर्ट के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि नोट में सुबह 11.10 बजे विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। विमान के शौचालय में लगे शीशे पर यह संदेश लिखा हुआ था। फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी, तभी इस पर किसी की नजर पड़ी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी।

धमकी की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था एक्टिव कर दी गई। विमान में पहले से सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद फ्लाइट को मुख्य एप्रन से हटाकर आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी गहराई से जांच की जा सके। एयरपोर्ट अधिकारियों ने तय सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत जरूरी कदम उठाए। विमान में किसी भी संदिग्ध सामान या वस्तु की मौजूदगी का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई। साथ ही सुरक्षा से जुड़े सभी जरूरी पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।इस पूरे मामले में अब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि विमान के वॉशरूम के शीशे पर धमकी भरा संदेश किसने लिखा था। इसके पीछे किसी की शरारत थी या कोई गंभीर साजिश, इसकी जांच की जा रही है। जांच के लिए विमान में सवार यात्रियों की सूची खंगाली जा रही है। इसके अलावा एयरपोर्ट परिसर और विमान भी देखी जा रही है।

राष्ट्रपति भवन के जवान को मारी गोली

यूपी के बागपत में पटाखे चलाने को लेकर हुए विवाद में राष्ट्रपति भवन में तैनात बॉडीगार्ड को गोली मार दी गई. दिवाली की छुट्टी पर गांव आए सौरभ घर के बाहर भाइयों के साथ पटाखे चला रहे थे. तभी दो युवकों से कहासुनी हो गई. आरोप है कि एक युवक ने तमंचे से फायरिंग कर दी. गोली सौरभ के सिर में लगी. ऑपरेशन के बाद गोली निकाल दी गई है, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई है.आपको बता दें कि पूरा मामला बागपत जिले के थाना रमाला क्षेत्र के गोपालपुर खड़ाना गांव का है. गांव निवासी सौरभ वर्ष 2021 में राष्ट्रपति के अंगरक्षक के रूप में भर्ती हुए थे. वर्तमान में उनकी तैनाती राष्ट्रपति भवन में है. दीपावली का त्योहार परिवार के साथ मनाने के लिए वह दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आए थे. रविवार रात वह अपने भाई विनीत और मिंटू के साथ घर के बाहर गली में पटाखे चला रहे थे. इसी दौरान गांव के धीरज और मोनू उर्फ प्रवीण वहां पहुंच गए. पटाखे चलाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई.सौरभ पक्ष की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, पड़ोसी धीरज और मोनू उर्फ प्रवीण ने पटाखे चलाने को लेकर विरोध करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी. देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने सौरभ तथा उनके भाइयों के साथ मारपीट शुरू कर दी. आरोप है कि इसी दौरान धीरज ने तमंचा निकाल लिया और फायरिंग कर दी. गोली पहले दीवार से टकराई और फिर सौरभ के सिर में कान के पीछे जा लगी. गोली सिर में ही फंस गई और सौरभ लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े.



एनसीपी विलय की अटकलों पर फडणवीस का बड़ा बयान

बोले- हमारे बिना नहीं हो सकता दोनों गुटों का विलय

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चर्चाएं तेज हैं. इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि शरद पवार और सुनेत्रा पवार ही दोनों गुटों के एक होने पर अंतिम फैसला ले सकते हैं. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में बीजेपी से अभी तक किसी ने कोई औपचारिक चर्चा नहीं की है.

मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास वर्षा में आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम के दौरान फडणवीस ने कहा कि दोनों राजनीतिक दल स्वतंत्र हैं और अपने स्तर पर निर्णय ले सकते हैं. अजित पवार गुट की ओर से फिलहाल उन्हें विलय को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है.

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यदि शरद पवार और सुनेत्रा पवार दोनों गुटों के विलय का फैसला करते हैं, तो उन्हें इस बारे में जानकारी देनी होगी. उनके मुताबिक, बीजेपी से इस मुद्दे पर अब तक किसी ने बातचीत नहीं की है.

मुख्यमंत्री के इस बयान को महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक



समीकरणों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है. दोनों गुटों के नेताओं के बीच हाल के दिनों में हुई मुलाकातों के बाद विलय की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं चल रही हैं.

डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार की तुलना दिवंगत अजित पवार से किए जाने पर भी फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं की तुलना करना उचित नहीं है.

फडणवीस के मुताबिक, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का लंबा अनुभव था. उन्होंने दशकों तक राजनीति में अपनी भूमिका निभाई और राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों की गहरी समझ रखते थे. वहीं, सुनेत्रा पवार फिलहाल नई परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल रही हैं और ह्यष्टक के वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर पार्टी की जिम्मेदारी संभाल रही हैं.

के दोनों गुटों के एक होने की अटकलें उस समय तेज हुईं, जब शरद पवार के अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान प्रफुल्ल पटेल समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उनसे मुलाकात की थी.

इसके अलावा पार्थ पवार की शरद पवार से 48 घंटे के भीतर दो मुलाकातों ने भी राजनीतिक चर्चाओं को हवा दी. हालांकि, बाद में विधायक रोहित पवार ने विलय से जुड़ी अटकलों को खारिज किया. प्रफुल्ल पटेल ने भी मुलाकात को औपचारिक बताया था.

अजित पवार गुट के कुछ विधायकों ने भी पार्टी नेतृत्व से दोनों गुटों के विलय को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि किसी भी संभावित विलय से पहले बीजेपी को विश्वास में लिया जा सकता है.

फिलहाल दोनों गुटों की ओर से विलय को लेकर कोई अंतिम आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है. ऐसे में महाराष्ट्र की राजनीति में ह्यष्टक के भविष्य और पवार परिवार की अगली राजनीतिक रणनीति पर सबकी नजर बनी हुई है.

धमकियों और चार गानों पर रोक के बीच दिलजीत दोसांझ का इंदौर आने का ऐलान, बोले- सबसे पहले खाऊंगा पोहा



इंदौर, पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ का 15 नवंबर को इंदौर के सी-21 मॉल में प्रस्तावित कॉन्सर्ट लगातार विवादों और सुरक्षा संबंधी धमकियों के बीच चर्चा में है। कार्यक्रम से पांच दिन पहले दिलजीत ने सोशल मीडिया पर 56 दुकान की पुरानी तस्वीरें साझा कर इंदौर आने की पुष्टि की है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वह इंदौर जरूर आएंगे और यहां पहुंचकर सबसे पहले पोहा खाएंगे। दूसरी ओर, खालिस्तानी नेशनल आर्मी के नाम से ईमेल भेजकर कॉन्सर्ट को बम और आईईडी से उड़ाने की धमकी दी गई है। महापौर कार्यालय, तीन निजी स्कूलों और ग्वालियर हाईकोर्ट को भी धमकी भरे संदेश मिले हैं। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए पुलिस और एस आईटी मामले की जांच में जुटी हैं, हालांकि अब तक ईमेल भेजने वाले की पहचान नहीं हो सकी है। धमकी भरे संदेशों में अभिभावकों से बच्चों को कॉन्सर्ट में नहीं भेजने की अपील भी की गई थी। वहीं, कार्यक्रम को लेकर एक और विवाद खड़ा हो गया है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने सी-21 मॉल प्रबंधन को पत्र लिखकर दिलजीत के चार गानों पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इनमें पटियाला पैग, 5 तारा ठेके, जेब विचों अफीम लभिया और जट्ट उत्थे फायर करदा जित्थे पाबंदी हथियार दी शामिल हैं। अधिकारी के मुताबिक, इन गानों के बोल बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।

सेज यूनिवर्सिटी रोड पर भीषण सड़क हादसा, दो युवक घायल -एक की हालत गंभीर



राकेश चंदन। सिटी चीफ

इंदौर, इंदौर के सेज यूनिवर्सिटी रोड पर आज दिनदहाड़े एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मु ताबिक बाइक सवार दो युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में एक युवक के सिर में गंभीर चोट लगी है और सड़क पर खून बहता नजर आ रहा है। दूसरा युवक भी घायल अवस्था में उसी के पास बैठा हुआ दिखाई दे रहा है।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और घायलों को उठाने की कोशिश कर ते नजर आए। वीडियो में लोग रुउठाओ-उठाओ, साइड में लगा दोर कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। फिलहाल घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। हादसा कैसे हुआ, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। पुलिस को सूचना दे दी गई है।

सड़क पर हादसा देखें तो वीडियो बनाने से पहले 108 / पुलिस को कॉल करें। एक मिनट की मदद किसी की जान बचा सकती है। बाइक चलाते समय हेलमेट जरूर पहनें, तेज रफ्तार से बचें।

इंदौर पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

आचार्य सुनील सागर के दर्शन कर लिया आशीर्वाद; 'भारत गौरव' सम्मान से अलंकृत हुए गुरुदेव



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शुक्रवार शाम इंदौर पहुंचे। यहां केसरबाग रोड स्थित नेमी नगर जैन कॉलोनी में उन्होंने जैन आचार्य सुनील सागर गुरुदेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान डॉ. भागवत ने श्रद्धापूर्वक आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन भी किया। शाम करीब 6ः30 बजे हुए इस विशेष कार्यक्रम में धर्म, अध्यात्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। आचार्यश्री के सान्निध्य में आयोजित इस मुलाकात को आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे।

आचार्य सुनील सागर गुरुदेव और डॉ. भागवत के बीच हुए संवाद में आत्मकल्याण, नैतिकता, जीवन मूल्यों और संस्कारों के महत्व पर विचार-विमर्श किया गया। समाज को सद्मार्ग पर आगे बढ़ाने तथा आध्यात्मिक चेतना को मजबूत बनाने में धर्म की भूमिका पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति की परंपराओं और सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों की उपयोगिता को लेकर विचार साझा किए गए। कार्यक्रम में इस बात पर जोर रहा कि व्यक्ति के आचरण, संस्कार और नैतिक जिम्मेदारियां ही बेहतर समाज के निर्माण का आधार बनती हैं। दोनों के बीच विभिन्न सामाजिक विषयों पर भी संवाद हुआ।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति में ब्राह्मी लिपि कैलेंडर और %रत्नद्वीप घोघा% पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। इसके साथ ही आचार्य सुनील सागर गुरुदेव के आगामी 50वें अवतरण दिवस महोत्सव के आधिकारिक लोगो का भी लोकार्पण हुआ। आयोजकों ने इन प्रकाशनों को भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन लिपियों और सांस्कृतिक विरासत को जनमानस तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में ब्राह्मी लिपि के संरक्षण और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ी जानकारियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के महत्व पर भी विशेष ध्यान आकर्षित किया गया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण आचार्य सुनील सागर गुरुदेव को प्रतिष्ठित 'भारत गौरव' उपाधि से सम्मानित किया जाना रहा। आयोजकों ने आचार्यश्री को यह सम्मान उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व, कठोर तप-साधना, धर्म प्रभावना और समाज को दिए जा रहे मार्गदर्शन के प्रति सम्मान स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर उनके धार्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित किया गया। आचार्यश्री के आगामी 50वें अवतरण दिवस महोत्सव की तैयारियों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मान और लोकार्पण के विभिन्न प्रसंगों ने विशेष महत्व हासिल किया। डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति ने आयोजन को और विशिष्ट बना दिया।

तीसरी मंजिल पर बिस्तर में लगी आग, 95 वर्षीय वृद्धा की झुलसने से मौत; पटाखे की चिंगारी गिरने की आशंका

इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू गायत्री नगर (एमआर-10) में सोमवार रात दर्दनाक हादसे में 95 वर्षीय वृद्धा गुलबाई पति रामसहाय नगरिया की मौत हो गई। वह मकान की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में सो रही थीं। रात करीब 11ः30 बजे अचानक उनके बिस्तर में आग लग गई। धुआं उठता देखकर नीचे रह रहे बेटे दीपक ने ऊपर पहुंचकर देखा तो मां के पैर बुरी तरह झुलस चुके थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

टीआई कमल किशोर शर्मा के मुताबिक, बेटे ने आशंका जताई कि बाहर से पटाखे की चिंगारी आकर बिस्तर पर गिरी होगी। शुरुआती जांच में चटाई में आग लगने की बात सामने आई है। उसमें प्लास्टिक होने के कारण आग तेजी से फैली और वृद्धा के पैर झुलस गए। पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक विशेषज्ञों से भी जांच कराई, लेकिन वहां कोई पटाखा नहीं मिला। मकान की पहली और दूसरी मंजिल पर किरायेदार रहते हैं, जबकि वृद्धा तीसरी मंजिल पर थीं। पुलिस हादसे के साथ अन्य संभावनाओं को ध्यान में रखकर आग लगने के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बीमा पॉलिसी और रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 1.25 करोड़ की ठगी, गाजियाबाद से दो आरोपी गिरफ्तार



इंदौर के पलासिया थाना क्षेत्र में निवेश पर आकर्षक मुनाफे और बीमा पॉलिसी के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने एक व्यक्ति को करीब दस साल तक अलग-अलग तरीकों से झांसे में रखकर 1 करोड़ 25 लाख रुपए से अधिक की रकम हड़प ली। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने विश्वेश्वर और चंदन नाम के दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दोनों की लोकेशन गाजियाबाद में मिलने के बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर ठगी से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने वर्ष 2014 से 2024 के बीच फरियादी को अपने जाल में फंसाए रखा। कभी बीमा कंपनी की पॉलिसी में निवेश कराने तो कभी जमा रकम को दोगुना करने का भरोसा दिलाकर उससे अलग-अलग समय पर पैसे लिए। शुरुआत में आरोपियों ने बेहतर रिटर्न और आकर्षक लाभ का लालच दिया, जिससे फरियादी उनके झांसे में आता चला गया। करीब दस वर्षों तक यह सिलसिला जारी रहा और इस दौरान आरोपियों ने 1.25 करोड़ रुपए से अधिक की रकम वसूल ली। लंबे समय तक पैसा वापस नहीं मिलने और धोखाधड़ी का अहसास होने पर फरियादी ने पलासिया थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों की तलाश करते हुए उनकी लोकेशन गाजियाबाद में ट्रेस की। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि ठगी की रकम कहां और किस माध्यम से निवेश की गई। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने अन्य लोगों को भी इसी तरह अपना शिकार बनाया है या नहीं। धोखाधड़ी के इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का 14 नवंबर तक रिमांड लिया है।

इंदौर में अवैध कॉलोनियों पर निगम की बड़ी कार्रवाई, प्लॉट बिकने से पहले ही उखाड़ी ड्रेनेज लाइन और निर्माण तोड़े



इंदौर में प्रशासनिक सख्ती और नियमों के बावजूद अवैध कॉलोनियां विकसित करने का खेल लगातार जारी है। शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों और ग्रीन बेल्ट की जमीनों पर भूमाफिया बिना अनुमति प्लॉटिंग कर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को जमीन बेच रहे हैं। आमतौर पर नगर निगम की कार्रवाई तब होती है, जब लोग प्लॉट खरीदकर मकान बना लेते हैं, लेकिन इस बार निगम ने शुरुआती चरण में ही हस्तक्षेप किया। कॉलोनी विकसित होने और प्लॉटों की बिक्री पूरी तरह शुरू होने से पहले ही निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर ड्रेनेज लाइन सहित अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया।

नगर निगम को खजराना क्षेत्र में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित किए जाने की शिकायत मिली थी। जांच में सामने आया कि संबंधित जमीन पर ड्रेनेज लाइन डालने का काम पूरा किया जा चुका था और प्लॉटों की बुकिंग भी शुरू हो गई थी। मंगलवार सुबह निगम का अमला जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंचा और अवैध रूप से किए गए निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, संबंधित जमीन तुलसीराम पिता दुर्गाशंकर रघुवंशी, सविताबिहारी पिता तुलसीराम, हेमेन्द्र पिता प्रमेन्द्र सिंह और रेणु पति रघु परमार के नाम पर दर्ज है। निगम की कार्रवाई का उद्देश्य अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाना है।

शहर में खजराना, चंदन नगर और बाणगंगा ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अवैध कॉलोनियां विकसित करने की गतिविधियां अधिक सामने आ रही हैं। इसके अलावा इंदौर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में भी भूमाफिया सक्रिय हैं और बिना वैधानिक अनुमति प्लॉट काटकर बिक्री कर रहे हैं। चंदन नगर क्षेत्र में करीब चार महीने पहले भी नगर निगम ने इसी तरह की कार्रवाई करते हुए एक अवैध कॉलोनी में बने दस से अधिक निर्माणों को ध्वस्त किया था। इसके बावजूद अवैध प्लॉटिंग पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। निगम की इस बार की कार्रवाई से प्लॉट खरीदने वाले लोगों को समय रहते सतर्क रहने का संदेश मिला है।

इंदौर-देपालपुर देश की सुपर स्वच्छ जोड़ी में अव्वल

स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश का दबदबा, नौ शहरों को मिलेगा सम्मान



स्वच्छ सर्वेक्षण के राष्ट्रीय पुरस्कारों में इस बार मध्यप्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश के नौ नगरीय निकायों को अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा, जो देश के किसी भी राज्य में सर्वाधिक हैं। महाराष्ट्र पांच शहरों के साथ दूसरे स्थान पर रहेगा। इंदौर और देपालपुर को देश की सुपर स्वच्छ जोड़ी का पहला पुरस्कार मिलेगा, जबकि देवास और उज्जैन ने अपनी-अपनी आबादी श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ग्वालियर भी देश के दस प्रमुख स्वच्छ शहरों में जगह बनाने में सफल रहा है।

बुधवार शाम चार बजे दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेता शहरों को सम्मानित करेंगी। इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में तीन नए शहरों को शीर्ष स्थानों पर जगह मिली है। विशाखापट्टनम देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित होगा, जबकि मध्यप्रदेश का जबलपुर दूसरे और लखनऊ तीसरे स्थान पर रहेगा। तीन लाख आबादी वाली श्रेणी में उज्जैन ने पहला स्थान हासिल किया है, वहीं एक लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देवास अव्वल रहा। करीब 85 मिनट तक चलने वाले समारोह में कुल 57 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर और तोखन साहू भी मौजूद रहेंगे।

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी शामिल होंगे। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, देपालपुर नगर परिषद अध्यक्ष अनीता पुरी गोस्वामी, निगमायुक्त क्षितिज सिंघल और देपालपुर के सीएमओ बहादुर सिंह राष्ट्रपति के हाथों सुपर स्वच्छ जोड़ी का पुरस्कार प्राप्त करेंगे। देश की प्रमुख स्वच्छ जोड़ियों में इंदौर-देपालपुर के अलावा अहमदाबाद-सानंद और तिरुपति-कुल्लम को भी स्थान मिला है। मध्यप्रदेश के इंदौर, देपालपुर, देवास, उज्जैन, बुधनी, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और सागर को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।

इंदौर की सफलता का असर अब देपालपुर की स्वच्छता व्यवस्था में भी दिखाई दे रहा है। करीब एक साल पहले 1710वें स्थान पर रहे 22 हजार आबादी वाले देपालपुर में इंदौर ने स्वच्छता सुधार की जिम्मेदारी संभाली थी। कचरे के ढेर, अव्यवस्थित संग्रहण और गंदी नालियों की समस्या से जूझ रहे कस्बे की तस्वीर बदलने के लिए जनभागीदारी, नवाचार, बेहतर समन्वय और निरंतरता को आधार बनाया गया। इसी प्रयास का परिणाम सुपर स्वच्छ जोड़ी के रूप में सामने आया। पुरस्कार की घोषणा के साथ इंदौर और देपालपुर में जश्न की तैयारी है। राजवाड़ा और नगर निगम मुख्यालय पर बड़ी स्क्रीन लगाकर समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा।



पत्नी की हत्या के बाद पति ने भी लगाई फांसी, 18 घंटे की रिकॉर्डिंग से खुला प्रेम संबंध और खौफनाक साजिश का राज

इंदौर जिले के राऊ स्थित साई विहार कॉलोनी में दीपावली के दिन हुए दंपती की मौत के मामले में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पत्नी वर्षा की हत्या करने के बाद पति पवन सोनी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस के अनुसार, इस पारिवारिक त्रासदी के पीछे फैजान उर्फ रेहान नामक युवक की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि वह दो बच्चों की मां वर्षा को पति से अलग होने और बच्चों को रास्ते से हटाकर घर छोड़ने के लिए उकसा रहा था। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी पति को बातचीत की रिकॉर्डिंग से मिली थी।

मृतक दंपती के 15 वर्षीय बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने मां और फैजान के बीच हुई करीब 18 घंटे की बातचीत रिकॉर्ड की थी। इसके लिए घर में वॉयस रिकॉर्डर लगाया गया था। रिकॉर्डिंग में कथित तौर पर वर्षा और फैजान के बीच बच्चों को लेकर भी आपत्तिजनक बातचीत सामने आई। बताया जा रहा है कि सात वर्षीय बेटी को बेचने और 15 वर्षीय बेटे की हत्या करने की बात कही गई थी। यह सुनकर पवन मानसिक रूप से टूट गया। घटना वाले दिन उसने दोनों बच्चों को घर से बाहर गार्डन में भेज दिया और इसके बाद वारदात को अंजाम दिया।

शाम करीब चार बजे जब दोनों बच्चे घर लौटे तो कमरे में मां का शव और पिता का शव फंदे पर लटका मिला। वर्षा की गर्दन पर जंजीर लिपटी थी और उसके शरीर में चाकू भी घुसा हुआ था। पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय पवन मूल रूप से रीवा का निवासी था और करीब 18 वर्ष पहले उसने वर्षा से प्रेम विवाह किया था। पिछले एक साल से दोनों इंदौर में पराठे की दुकान चला रहे थे। इसी दौरान वर्षा की फैजान से पहचान हुई। करीब पांच महीने पहले पवन को दोनों के संबंधों का संदेह हुआ था। फिलहाल पुलिस रिकॉर्डिंग सहित सभी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

महंगे शौक के लिए 20-20 हजार में बेच दिए बैंक खाते, साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे थे म्यूल अकाउंट; पांच गिरफ्तार



इंदौर में महंगे शौक और पैसों की चाहत में युवकों द्वारा अपने ही बैंक खाते दूसरे लोगों को बेचने का मामला सामने आया है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से हासिल रकम के लेनदेन के लिए म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था। ऑपरेशन मैट्रिक्स के तहत एरोड्रम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने बैंक खाते 20-20 हजार रुपए में बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के जरिए साइबर अपराध से जुड़ी बड़ी रकम का लेनदेन हुआ है। अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

टीआई मनोज सेंधव के मुताबिक, जांच के दौरान सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एयरपोर्ट रोड शाखा में संचालित एक संदिग्ध खाते की जानकारी मिली थी। इसके आधार पर गोविंद कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय राज वैद्य को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने बताया कि फ्रीगंज मरीमाता निवासी दोस्त तुषार चौहान और गोविंद कॉलोनी निवासी आयुष उर्फ लक्की प्रजापत के साथ मिलकर अलग-अलग बैंक शाखाओं में खाते खुलवाए थे। बाद में ये खाते अजय पटेल और रीतेश प्रजापत को 20-20 हजार रुपए में बेच दिए गए। तुषार का खाता सियागंज और आयुष का खाता कपड़ा मार्केट शाखा में खुलवाया गया था।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि लेक पैलेस कॉलोनी एरोड्रम निवासी अजय पटेल और सत्य साईं बाग कॉलोनी बाणगंगा निवासी रीतेश प्रजापत ने इन खातों को आगे दूसरे लोगों तक पहुंचाया था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन बैंक खातों के माध्यम से कितनी रकम का लेनदेन हुआ और साइबर ठगी के इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पांचों आरोपियों के खिलाफ एरोड्रम थाने में अपराध क्रमांक 788/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4) और 112(1) में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनोज सेंधव की टीम ने यह कार्रवाई की।



यूपी के लिए बीजेपी का बडा प्लान, एमपी के सीएम मोहन यादव पर 71 सीटों का दारोमदार

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को उनके गृह राज्य उत्तरप्रदेश में चुनौती देंगे। वे यूपी की 48 से 71 सीटों पर उतरेंगे। इसकी अधोषित शुरुआत मंगलवार को वाराणसी से हो चुकी है। हालांकि सीएम वाराणसी में अखिल भारतीय गोवर्धन पूजा उत्सव द्वारा आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसका सीधे तौर पर चुनाव से सरोकार नहीं है। लेकिन बड़ा संकेत इस बात से लगाया जा सकता है कि आयोजन में सीएम डॉ. यादव ही शामिल हुए, जबकि यूपी के दो बड़े कद्दावर नेता सीएम योगी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव आयोजन का हिस्सा नहीं बने।सूत्रों के अनुसार, सीएम डॉ. यादव को आंध्रप्रदेश से भी बुलावा था। वहां भी गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन हुआ, लेकिन कई कारणों के चलते मुख्यमंत्री ने यूपी को चुना। असल में यूपी विधानसभा चुनाव की अब केवल घोषणा होनी बाकी है उसके पहले ही सभी दल सक्रिय हो चुके हैं। माना जा रहा है कि पार्टी खुद चाहती है कि पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों का मूवमेंट यूपी में शुरू हो। सभी अपने- अपने स्तर पर सक्रियता से काम करें।जिन सीटों पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उतारने की योजना है, उनमें से 75 फीसदी सीटों पर सपा का कब्जा हैं। भाजपा हर हाल में इन सीटों को जीतना चाहती है। यहां के मतदाताओं का मन जीतने के लिए पहले से पार्टी कई रणनीतियों पर अंदरखाने काम भी कर रही है।खासकर ओबीसी और इस वर्ग में शामिल यादव मतदाताओं में पैठ बनाने के लिए पार्टी के पास इस समय मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सा बड़ा चेहरा है। इसकी कई वजह भी है, जैसे- डॉ. यादव का वर्तमान में यूपी से सटे पड़ोसी राज्य का मुख्यमंत्री और यादव समाज से बड़ा ओबीसी चेहरा होना है। डॉ. यादव पहले से ही यूपी को लेकर काफी सक्रिय रहे हैं। यूं कहे कि जितनी बार मुख्यमंत्री रहते योगी आदित्यनाथ मप्र नहीं आए, उससे अधिक बार डॉ. यादव यूपी का भ्रमण कर चुके हैं।

160 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से दौड़ेगी वंदे भारत, एमपी में रेलवे का बडा प्लान

भोपाल सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि 12 महीने के अंदर इस पूरे क्षेत्र को दुर्घटना रहित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बीते 12 महीने में यहां 50 से ज्यादा मवेशियों की टकराने एवं रन ओवर की घटनाएं हुई हैं। रेलवे ट्रैक पर आसान पहुंच को दुर्गम बनाने के लिए विशेष प्रकार की फेंसिंग लगाई जा रही है ताकि जानवर और इंसानी आवाजाही रेलवे ट्रैक के आसपास कम से कम हो सके।खंडवा से लेकर बीना तक पटरियों के दोनों ओर 530 किलोमीटर फेंसिंग लगाने का काम शुरू किया जा रहा है। इससे ट्रेनें 160 की स्पीड तक दौड़ सकेंगी। इसके लिए मार्च 2027 की डेडलाइन तय की गई है। पूरा कार्य 288 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से किया जाना है।भोपाल मंडल का यह क्षेत्र अति-व्यस्त रूटों में से एक है, जहां से रोजाना कई प्रीमियम और सुपरफास्ट ट्रेनें गुजरती हैं। अक्सर पटरियों पर आवारा मवेशियों के आने या ग्रामीणों द्वारा अनधिकृत रूप से ट्रैक पार करने के कारण दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।फेंसिंग हो जाने से 130 और उससे अधिक स्पीड से चलने वाली ट्रेनों को अधिक फायदा होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार फेंसिंग हो जाने से मवेशियों के ट्रैक पर आने का खतरा खत्म हो जाएगा। इससे ट्रेनें राजधानी, वंदे भारत जैसे ट्रेनों को फुल स्पीड में चलाया जा सकता है। इन ट्रेनों को आगे चलकर 160 की स्पीड पर चलाने की प्लानिंग है।डवा-इटारसी, इटारसी-भोपाल और भोपाल-बीना रूट पर रोजाना करीब 220 ट्रेनें गुजरती हैं। सुपरफास्ट की स्पीड बढ़ेगी।फेंसिंग के होने से इन सभी ट्रेनों को फायदा होगा। इससे इन ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा भी बढ़ेगी।

बीजेपी को घेरने जुटी कांग्रेस, एमपी के 5 नेताओं को सौंपा प्लान

भोपाल मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर कांग्रेस मुखर हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर राज्य सरकार की स्क्र में सामने आ रही खामियों पर पार्टी नेताओं ने बीजेपी को घेरा। एसएलपी में पहले से ही 10 बड़ी खामियां बताई गई थीं जबकि 7 नवंबर को 3 नई गलतियां और सामने आ गईं। इस प्रकार अब कुल 13 खामियां उजागर हो चुकी हैं। मामले पर उमंग सिंघार, अरुण यादव जैसे कांग्रेस के उन्हें सुधारने की जहमत तक नहीं उठाई। कांग्रेस ने मप्र विधानसभा के 7 दिसंबर से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में भी इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाने का फैसला लिया है।

पुलिस को नहीं मिला 5 करोड़ के सॉफ्टवेयर खरीदने का अधिकार, गृह विभाग ने प्रस्ताव लौटाया



भोपाल पुलिस मुख्यालय द्वारा साल भर पहले गृह विभाग को सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार क्षेत्र को लेकर भेजा गया प्रस्ताव नामंजूर हो गया है। खरीदी के अधिकार डीजीपी को नहीं मिलने से पुलिस को किसी भी प्रकार की सॉफ्टवेयर की खरीदी के लिए पूर्व निर्धारित नियमों के अनुसार गृह विभाग को ही फाइल भेजनी होगी। बता दें कि पीएचक्यू की योजना शाखा ने 5 करोड़ तक के सॉफ्टवेयर खरीदी के अधिकार से संबंधित एक प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा था। इसमें खरीदी के सीधे अधिकार विभाग प्रमुख डीजीपी के लिए मांगे गए थे। इस प्रस्ताव को गृह विभाग ने पहले वित्त विभाग को भेजा, वहां से प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया। बता दें, 2026 में अगस्त तक ही 308 करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी हो चुकी है। इन अपराधों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आधुनिक सॉफ्टवेयर्स की जरूरत है।

सॉफ्टवेयर खरीददारी की पेचीदगी का यह मामले कोई नया नहीं है। इसी साल अप्रैल माह में भी 2.5 करोड़ रुपए की सॉफ्टवेयर खरीदी को लेकर पीएचक्यू और गृह के बीच रार ठन चुकी है। दरअसल पीएचक्यू ने 2.50 करोड़ कीमत की सैलीब्राइट इनसाइट प्रीमियम सॉफ्टवेयर की खरीदी की थी। जिस पर गृह विभाग ने यह कहते हुए आपत्ति ली थी की बगैर गृह विभाग की अनुमति के साफ्टवेयर की खरीदी कैसे की?

दरअसल, साफ्टवेयर का उपयोग साइबर क्राइम, लैब और डिजिटल फॉरेंसिक के विशेष करते है। इनका काम मोबाइल फोन से डेटा निकालना, डिलिट डेटा को रिकवर करना जैसे अन्य महत्वपूर्ण काम होते है और साफ्टवेयर की जरूरत बदलती रहती है। क्योंकि इसमें हर रोज कुछ नया अपडेट होता है। ऐसे में पुलिस के सामने बड़ी समस्या ये है कि अगर 10 हजार का भी कोई सॉफ्टवेयर की खरीदी करनी है तो उसका प्रस्ताव गृह भेजना है। जिससे प्रक्रिया लंबी होती है समय भी लगता है। साफ्टवेयर खरीदी को लेकर हो रही पेचीदगी के बीच विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि आखिर पुलिस मुख्यालय के पास सॉफ्टवेयर खरीदी का अधिकार क्यों नहीं है? जबकि इन दिनों पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती साइबर अपराध को रोकना है।

अब पढ़ेगी कड़ाके की ठंड, पश्चिमी विक्षोभ के असर से गिरेगा पारा



भोपाल मध्यप्रदेश में मौसम अब धीरे-धीरे तेज सर्दी की ओर बढऩे लगा है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवा का रुख बदल रहा है, आगे उत्तरी हवाएं प्रभावी होंगी, जिससे रात के तापमान में गिरावट आएगी। इस समय भी एक पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी हो रहा है। इसके चलते तापमान में और 2 से 3 डिग्री तक गिरावट हो सकती है और रात में सर्दी बढ़ सकती है। (मौसम केंद्र) भोपाल के मुताबिक, अगले 4 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में कम से कम 2 डिग्री की गिरावट हो सकती है। दिवाली पर पटाखों के कारण प्रदेश भर में एक्यूआई भी बडा है जिसका मौसम पर असर साफ देखा जा रहा है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल मौसम को पूरी तरह बदलने वाला कोई बड़ा सिस्टम सक्रिय नहीं है, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की दिशा में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि अभी मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। उत्तरी हिस्से में एक पश्चिमी विक्षोभ ट्रफ के रूप में सक्रिय है। इसके कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। आने वाले दिनों में गिरावट का ट्रेंड बना रहेगा।मौसम के मौजूदा रुख को देखते हुए आने वाले दिनों में भी दिन और रात के तापमान के बीच अंतर बढ़ सकता है। दिन में धूप खिलने से मौसम सामान्य बना रहेगा, जबकि सूरज ढलने के बाद तापमान में गिरावट के चलते ठंडक महसूस होगी। सुबह के समय भी हल्की सर्द हवा लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत का अहसास कराने लगेंगी।मध्यप्रदेश के करीब डेढ दर्जन शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे आ गिरा है। राजधानी में तो प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमडी से भी ज्यादा सर्दी है। मंगलवार को भी न्यूनतम तापमान में एक डिग्री गिरावट हो गई। अधिकतम तापमान 32.6 और न्यूनतम 13 डिग्री दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री कम रहा। प्रदेश के अमरकंटक और करौंदी में पारा 12 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है।

8 हजार अवैध कॉलोनियों पर बडा अपडेट, साधिकार समिति ने ड्राइट पर उठाए सवाल



भोपाल मध्यप्रदेश में करीब 8 हजार अवैध कॉलोनियों पर ब?ा अपडेट सामने आया है। साधिकार समिति ने मौजूदा ड्रा?ट पर सवाल उठाए हैं। अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर रोक लगाने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अब संशोधन विधेयक का ड्रा?ट नए सिरे से तैयार करना होगा। करीब दो साल की मशक्कत के बाद तैयार किए गए ड्रा?ट को साधिकार समिति ने कई सवालों के साथ लौटा दिया है। समिति के कुछ सदस्यों ने यहां तक कहा कि कोई कॉलोनी अवैध नहीं होती। इसके लिए मौजूदा कानूनों में भी पर्याप्त प्रावधान हैं। ऐसे में नया कानून बनाने की जरूरत और उसमें प्रस्तावित सख्त सजा व जुर्माने के औचित्य पर सवाल उठाए गए। समिति ने गांवों में जमीन की खरीदी-बिक्री और मकान निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका भी जताई है। साथ ही विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का अद्यतन आंकड़ा मांगा है। अब विभाग को इन आपत्तियों और सुझावों के आधार पर ड्रा?ट में बदलाव करना होगा। बता दें, अभी बनाए गए नियमों में कॉलोनी विकास में प्रक्रियाओं को सरल बना अनावश्यक खर्चमुक्त बनाने का कॉन्सेप्ट था।

विभाग ने वर्षों पहले प्रदेश में 7981 अवैध कॉलोनी चिह्नित की थीं। अब इनकी संख्या आठ हजार से अधिक होने का अनुमान है। इसके बाद व्यापक सर्वे नहीं कराया गया। नगर निगमों की तुलना में नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्रों में ऐसी कॉलोनियां अधिक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित अवैध कॉलोनियों का भी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। समिति ने विभाग से गांवों की अवैध कॉलोनियों का पूरा डेटा मांगा है।वर्तमान में कॉलोनी विकास के लिए सभी क्षेत्रों में 7.5 मीटर चौड़ी सड़क अनिवार्य है। छोटे भूखंडों पर कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजरों को इस शर्त के कारण अनुमति मिलने में परेशानी होती है। कई बार वे नियमों का उल्लंघन कर कॉलोनियां विकसित कर देते हैं। इसका खामियाजा प्लॉट और मकान खरीदने वालों को भुगतना पड़ता है। नए मसौदे में गांवों और शहरों के लिए सड़क की चौड़ाई के अलग मापदंड प्रस्तावित थे। छोटे मकान बनाने वालों को भी छूट की तैयारी थी।समिति के सदस्यों ने 10 साल तक की जेल और पांच करोड़ रुपए तक जुर्माने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। उनका तर्क था कि सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत नियमों को सरल कर रही है। दो जनविश्वास अधिनियमों के जरिए कई मामलों में जेल की सजा को आर्थिक दंड में बदला है। इसके उलट नए कानून में सजा और बढ़ाई है, जबकि मौजूदा प्रावधानों में ही सात साल तक की सजा का प्रावधान है।



80 हजार रूपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली गुर्जर मुरैना पुलिस से मुठभेड़ में घायल, साथी सहित गिरफ्तार

भोपाल पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संगठित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त फरार और इनामी बदमाशों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मुरैना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 80 हजार रूपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर को पुलिस मुठभेड़ के बाद उसके साथी अजय गुर्जर सहित गिरफ्तार किया है। थाना बानमोर क्षेत्रांतर्गत ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगलों में हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी भी घायल हुआ। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन श्री सचिन कुमार अतुलकर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक चंबल रेंज मुरैना श्री सुनील कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले में फरार इनामी बदमाशों एवं आदतन अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री धर्मराज मीना के निर्देशन में कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर की गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति तैयार कर पुलिस टीमों का गठन किया गया था।टीम को 05 नवंबर को सूचना मिली कि इनामी बदमाश कल्ली गुर्जर अपने साथी के साथ थाना बानमोर क्षेत्र के ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगल में मौजूद है। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। करीब तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी तथा उसका साथी अजय गुर्जर भी घायल हो गया। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस ने कल्ली गुर्जर के कब्जे से एक अवैध देशी 32 बोर पिस्टल, एक 306 बोर रायफल एवं 49 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। वहीं, उसके साथी अजय गुर्जर के कब्जे से एक 12 बोर रायफल एवं 12 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। इस प्रकार दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल तीन अवैध हथियार एवं 61 जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर एक आदतन एवं सक्रिय अपराधी है। उसके विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, फायरिंग, अड़ीबाजी, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा एवं अवैध शराब तस्करी सहित कुल 20 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें से 9 प्रकरणों में वह फरार चल रहा था। विभिन्न आपराधिक मामलों में उसकी गिरफ्तारी पर 80 हजार रूपए का इनाम घोषित था। आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है।

प्रदेश के 5 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एनएटी जाँच सुविधा प्रारंभ

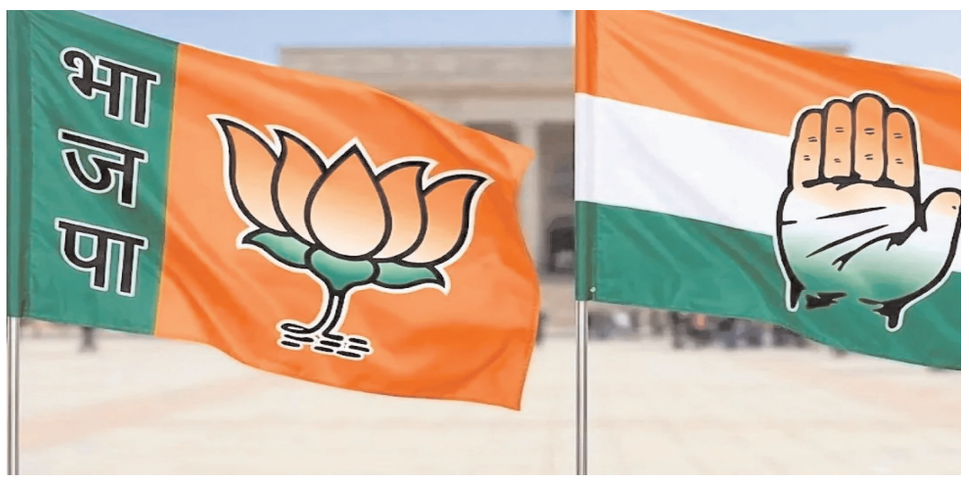


भोपाल प्रदेश में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए एनएटी जाँच सुविधा का विस्तार किया गया है। पूर्व में यह सुविधा प्रदेश के केवल दो हब सेंटर्स तक सीमित थी, जिसे अब विस्तारित कर पाँच संभागों के शासकीय ब्लड सेंटर्स तक उपलब्ध कराया जा रहा है।इस व्यवस्था के अंतर्गत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं रीवा स्थित पाँच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को एनएटी जाँच के हब सेंटर के रूप में स्थापित किया गया है। इनसे प्रदेश के विभिन्न जिलों के 57 स्पोक ब्लड सेंटर्स को मैप किया गया है। दिनांक 23 अक्टूबर 2026 से सभी पाँच हब सेंटर्स पर द्वुष्ठ-ह्वज्ञ मशीनों की स्थापना कर जाँच का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है।एनएटी जाँच सुविधा प्रारंभ होने से रक्त में जैसे संक्रमणों की पहचान विंडो पीरियड के दौरान भी संभव हो सकेगी। इस तकनीक के माध्यम से संक्रमण की पहचान की अवधि लगभग 45 दिनों से घटकर 5 दिन तक हो सकेगी। इससे संक्रमित रक्त के ट्रांसफ्यूजन का जोखिम कम होगा तथा मरीजों को अधिक सुरक्षित रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध कराए जा सकेंगे।इस सुविधा का विशेष लाभ सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, डायलिसिस एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मिलेगा। इन मरीजों को उपचार के दौरान बार-बार रक्त अथवा रक्त अवयवों की आवश्यकता होती है। एनएटी जाँच के माध्यम से उन्हें संक्रमणमुक्त एवं सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।एनएटी जाँच की संपूर्ण प्रक्रिया आधुनिक एवं उच्च तकनीक आधारित उपकरणों के माध्यम से पूर्णतः स्वचालित रूप से संचालित की जाएगी। इसके साथ ही नमूनों की ट्रैकिंग, जाँच प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण एवं एवं स्पोक मॉडल के माध्यम से एनएटी जाँच सुविधा का विस्तार प्रदेश की रक्ताधान सेवाओं को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता–पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा

भोपाल पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण, सेवा सुविधाओं और कार्य परिस्थितियों में निरंतर सुधार के उद्देश्य से राज्य संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक आज पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित हुई। बैठक में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों से जुड़े विभिन्न कल्याणकारी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।बैठक की शुरुआत देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी निरीक्षक श्री दिलीप पुरी के कर्तव्य निर्वहन के दौरान गत रात्रि हुए आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त कर की गई।

शराब तस्करी पर एमपी में आरोप-प्रत्यारोप, जीतू पटवारी को भाजपा ने दो नेताओं का नाम लेकर घेरा



भोपाल मध्यप्रदेश में अवैध शराब कांड पर राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस नेता जीतू पटवारी के बयान कि भाजपा सरकार की कार्रवाई ड्राइवर-क्लीनर तक सीमित रहती है वाले बयान के बाद भाजपा ने भी पलटवार किया है। भाजपा ने मंगलवार को इस संबंध में सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है।

भाजपा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर जीतू पटवारी से कहा है कि डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार की कार्रवाई का दायरा ड्राइवर-क्लीनर तक कतई सीमित नहीं है, अगर विश्वास न हो तो आपके अज़ीज़ और कांग्रेस नेता राहुल जायसवाल तथा कांग्रेस प्रवक्ता आनंद कासलीवाल से पूछ लीजिए! देवास के अवैध शराब कांड में कांग्रेस प्रवक्ता आनंद कासलीवाल के बेटे की गिरफ्तारी तथा हरदा के पूर्व युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल जायसवाल का शराब तस्करी नेटवर्क में नाम सामने आना क्या महज संयोग है? खैर, नेता प्रतिपक्ष ने भी सार्वजनिक तौर पर यह बयान दिया है कि अवैध शराब तस्करी में काँग्रेस के बड़े - बड़े नेताओं का हाथ रहा है।

भाजपा ने यह भी कहा है कि आपकी पार्टी के नेताओं और उनसे जुड़े लोगों के नाम बार-बार ऐसे मामलों में सामने आ रहे हैं और आप सरकार से सवाल पूछ रहे हैं! आपको शर्म आनी चाहिए। आपको सिर्फ अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए, क्योंकि भाजपा सरकार में कोई भी गुनहगार बचने वाला नहीं है।

मध्य प्रदेश में शराब माफिया इतना ताकतवर हो गया है कि सरकार की आबकारी मशीनरी उसके सामने बेबस नजर आ रही है! गुजरात से लगे बड़वानी, झाबुआ, धार में शराब तस्करी के 163 मामले दर्ज हुए, लेकिन कार्रवाई का दायरा ड्राइवर/क्लीनर तक सीमित रहा! सवाल यह है कि शराब बनाने वाली फैक्ट्रियां, वेयरहाउस के मालिक और तस्करी का पूरा नेटवर्क आज भी जांच से बाहर क्यों हैं? यही कारण है मसला हाईकोर्ट में पहुंच गया है! आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर ढेर सारे सवाल उठ रहे हैं! लेकिन, सरकार चुप है! सवाल सीधा है, शराब की बोतल ढोने वाले ड्राइवर-क्लीनर तो पकड़ में आ जाते हैं, लेकिन शराब बनाने वाले कारखानों के मालिक और तस्करी के असली सरगना क्यों नहीं? प्रदेश के राजस्व को हर साल करोड़ों की हानि, कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल और शराब माफिया की खुली मनमानी को भाजपा सरकार बर्दाश्त क्यों कर रही है?

संपादकीय

सजा ही काफी नहीं, जवाबदेही भी तय हो

सात वर्षीय मासूम बालिका से बलात्कार के दोषी को सजा सुनाते वक्त राजस्थान में बाड़मेर की पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश का पीड़िता से माफी मांगना न केवल संवेदनशीलता का परिचायक है, बल्कि उन जिम्मेदारों को उस घोर लापरवाही का अहसास कराने वाला भी है, जिसकी वजह से बच्चियां अपने घर के पास तक सुरक्षित नहीं रह पातीं। न्यायाधीश ने कहा भी कि यह माफी समाज, पुलिस और प्रशासन की ओर से है।जाहिर है कानून के सख्त प्रावधानों के बावजूद नाबालिग बालिकाएं आए दिन दरिंदों का शिकार बनती आ रही हैं। ऐसे में पुलिस के निगरानी तंत्र पर सवाल तो उठता ही है समाज भी कम भागीदार नहीं है, जिसकी अनदेखी ऐसे अपराधों को बढ़ावा देती है। सरकारी आंकड़े बच्चियों के साथ अपराध की भयावहता बताने को काफी हैं। राजस्थान में वर्ष 2026 के शुरुआती चार माह में ही पॉक्सो से जुड़े 549 मामले दर्ज हो चुके थे। बलात्कार व छेड़छाड़ के दूसरे मामले भी कम होने का नाम नहीं ले रहे।इसमें दोराय नहीं कि बाड़मेर के इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी व चालान पेश करने में तत्परता दिखाई। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हम बच्चियों को सुरक्षित वातावरण दे पा रहे हैं? शहर-गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने व बालिकाओं के स्कूल आने-जाने के समय पर विशेष निगरानी के निर्देश भी आखिर अदालत को ही क्यों देने पड़ते हैं? क्या यह बंदोबस्त पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए। फिर भी यह सवाल अपनी जगह कायम है कि क्या केवल कठोर सजा से ही बेटियां सुरक्षित हो जाएंगी? पिछले वर्षों में बलात्कार के अपराधों के लिए सजा कठोर हुई है। फास्ट ट्रैक अदालतें बनी हैं, कानूनों में संशोधन तक हुए हैं। इसके बावजूद ऐसी घटनाएं रुक नहीं रही हैं। सीधे तौर पर यह अपराध एक कानूनी समस्या ही नहीं, बल्कि सामाजिक विकृति का परिणाम भी है। इसलिए न्यायाधीश की इस माफी में हर वह व्यक्ति अपने को शामिल माने, जो जिम्मेदारियों के निर्वहन में कोताही बरत रहा है।

पचपदरा से नमक आंदोलन की चिंगारी के सौ बरस

भारत के स्वाधीनता आंदोलन के दौरान नमक व्यवसाय पर ब्रिटिश सत्ता के एकाधिकार की कुटिल नीति के प्रतिरोध में सौ बरस पहले थार मरुस्थल के पचपदरा कस्बे से उठी चिंगारी चार साल पश्चात महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह में ज्वालामुखी बन गई।नमक उत्पादन के साथ अब पचपदरा ने सोना उगलने वाली रिफाइनरी के रूप में दस्तक दी है। अपनी साहसिक समझ-बूझ के धनी एकल सेनानी युवा नमक व्यवसायी सेठ गुलाब चंद सालेचा ने राजस्थान के अत्यंत पिछड़े इलाके के हजारों नमक उत्पादक खारवाल समूह तथा मजदूरों की संगठित शक्ति 1926 में हड़ताल के रूप में बदलने की युक्ति बिठाई। सालेचा ने सरकार की देशी रियासतों से नमक संधियों की कपटपूर्ण शर्तों के तथ्य जुटाए। नमक उपभोक्ताओं से पचपदरा नमक की मांग संबंधी प्रतिवेदन भिजवाने के साथ-साथ कलकत्ता के विदेशी नमक बाजार में पचपदरा नमक की बिक्री की चुनौती प्रस्तुत की। सरकार की नमक नीति के खिलाफ वरिष्ठ पत्रकारों से आलेख लिखवाए। दिल्ली की सेंट्रल एसेम्बली में 1926 में भी नमक नीति की गूंज सुनाई दी।इस रोमांचक कहानी के सूत्रधार सालेचा के चार-पांच वर्षीय आंदोलन के चलते 1930 में महात्मा गांधी ने नमक व्यवसाय पर एकाधिकार के खिलाफ राजनीति का मुद्दा बनाया। उन्होंने 12 मार्च को दांडी यात्रा आरंभ कर 6 अप्रेल को नमक कानून तोड़ा। पचपदरा में 19 नवंबर 1978 को 94 वर्षीय सेठ गुलाब चंद सालेचा के नागरिक अभिनंदन समारोह के लिए राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरों सिंह शेखावत ने अपना संदेश भेजा। दरअसल, सेठ गुलाब चंद सालेचा ने तथ्यों को एकत्रित करते समय सरकारी गजेटियर्स से महारानी विक्टोरिया के उस खरीते का पता लगाया, जिसमें वायसराय लार्ड डलहौजी को यह लिखा गया था कि ब्रिटिश व्यापारियों के हित में भारत में नमक व्यवसाय पर एकाधिपत्य किया जाए।ब्रिटिश सत्ता ने प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात पचपदरा नमक उत्पादन क्षेत्र से नुकसान होने का बहाना बनाकर नमक बनाने का व्यवसाय बंद करने की रणनीति अपनाई तब सालेचा ने इसके खिलाफ मोर्चा खोला। कलकत्ता प्रवास में उन्होंने घनश्याम दास बिड़ला सरीखे उद्योगपति एवं इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के माध्यम से नमक नीति का भंडाफोड़ किया। सरकार ने वरिष्ठ अंग्रेज अधिकारी मि. स्ट्रेची का एक सदस्यीय आयोग गठित किया। सालेचा ने पचपदरा में नमक उत्पादन बंद करने की सूरत में 1879 की संधि के तहत एक करोड़ रुपए हर्जाना देने की बात कही तो स्ट्रेची चौंक गए। स्ट्रेची के रिपोर्ट में भारी हर्जाना देने की अपेक्षा उत्पादन चालू रखने की बात कही। नतीजतन पचपदरा नमक व्यवसाय को जीवनदान मिल गया।

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर समग्र नीति बनानी होगी

दिल्ली-एनसीआर की हवा में घुलता जहर अब किसी एक मौसम की समस्या नहीं रह गया है। सर्दियां शुरू होते ही दमघोंटू हवा, धुंध की चादर और एक्यूआइ के आंकड़े डराने लगते हैं। इस दौरान कुछ दिनों तक सरकारें सक्रिय होती हैं, बैठकों का दौर चलता है, निर्माण कार्यों पर रोक लगती है और वाहनों के लिए पाबंदियां घोषित की जाती हैं। सब कुछ होता है लेकिन मौसम बदलते ही प्रदूषण का मुद्दा भी पीछे छूट जाता है। क्या करोड़ों लोगों की सेहत से जुड़ी समस्या का समाधान केवल अस्थायी प्रतिबंधों से संभव है? देखा जाए तो दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए दीर्घकालिक और समग्र नीति की जरूरत है।दुनिया के कई शहरों ने इस चुनौती से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। लंदन में अल्ट्रा लो इमिशन जोन (यूएलईजेड) लागू कर पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर शुल्क लगाया गया। इसके परिणामस्वरूप 2024 में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर पहले की तुलना में 27 प्रतिशत कम हो गया। बीजिंग में भी कोयले के इस्तेमाल में कटौती, उद्योगों पर नियंत्रण, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने, वाहनों के उत्सर्जन मानकों को सख्त करने और सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने जैसे कदम उठाए गए। इससे प्रदूषण में 35 प्रतिशत तक कमी आई। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि प्रदूषण का मुकाबला राजनीतिक इच्छाशक्ति, निरंतर निगरानी और सख्त क्रियान्वयन से ही किया जा सकता है। दिल्ली के लिए सबसे पहली जरूरत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को इतना मजबूत और सुविधाजनक बनाने की है कि लोग निजी वाहनों के बजाय बस और मेट्रो से सफर करना पसंद करें।साइकिलिंग ट्रैक और पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित फुटपाथ विकसित करने होंगे। इलेक्ट्रिक बसों और अन्य सार्वजनिक वाहनों को प्रोत्साहन देना भी जरूरी है। निजी वाहनों पर निर्भरता कम किए बिना केवल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध लगाने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। चूंकि प्रदूषण की समस्या दिल्ली तक सीमित नहीं है, इसलिए हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के साथ समन्वित क्षेत्रीय कार्ययोजना भी आवश्यक है। सरकारों के प्रयास तभी सफल होंगे, जब नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। छोटी दूरी के लिए निजी वाहन निकालने से बचना, कार पूलिंग, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल व कचरा नहीं जलाना ऐसे कदम हैं, जिनका सामूहिक असर बड़ा हो सकता है।सबसे जरूरी है कि प्रदूषण नियंत्रण को केवल पर्यावरण विभाग का काम न मानकर शहरी नियोजन, परिवहन, उद्योग और स्वास्थ्य नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। एक्यूआइ की रोजाना निगरानी हो। स्वच्छ हवा कोई सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का अधिकार है। स्थायी समाधान की दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढि?ों को इसकी भारी कीमतचुकानी पड़ेगी।

ट्रंप की हार से अच्छे दिनों की आस

मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को लगे झटके से विश्व में अस्थिरता कम होने की जो उम्मीद बढ़ी, उसका भी भारत के शेयर बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा। इसके अलावा ट्रंप को लगे झटके से अमेरिका और भारत के रिश्ते सामान्य होने की जो संभावना बढ़ी, उसने भी भारतीय कारोबार जगत को उत्साहित किया। ट्रंप व्यापार समझौते को लेकर अड़यिल रवैया अपनाए हुए थे, पर भारत उनके दबाव का प्रतिकार करता रहा। चूंकि डेमोक्रेट ट्रंप की टैरिफ नीति के विरोधी हैं और भारत का महत्व समझते हैं, इसलिए वे ट्रंप पर दबाव बना सकते हैं कि अटके पड़े व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप दें। यदि ऐसा हो जाता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को और बल मिलेगा।

शेयर बाजार में पिछले दिनों आया उछाल भारतीय निवेशकों के लिए दीपावली के उपहार की तरह है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन की हार से तेल के दाम कम हुए। इसका लाभ भारत को मिलेगा। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में एआइ कंपनियों के तेजी से बनते डाटा सेंटर एक मुद्दा बन गए थे, क्योंकि उनमें बिजली और पानी की अधिक खपत होती है। इसका अमेरिकी नागरिक विरोध कर रहे थे। उनकी चिंताओं को डेमोक्रेटिक पार्टी ने भुनाया। डेमोक्रेट का संसद के दोनों सदनों में नियंत्रण होने के बाद माना जा रहा है कि एआइ कंपनियों के डाटा सेंटरों के लिए नियम सख्त होंगे। इससे अमेरिका में एआइ कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई।

इसके नतीजे में अन्य देशों के भी शेयर बाजार गिरे, लेकिन भारत में ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि निवेशकों को यह संदेश गया कि जोखिम वाले एआइ शेयरों से पैसा निकालकर उसे भारत में लगाना एक सुरक्षित विकल्प है, क्योंकि अमेरिका, ताइवान आदि की कंपनियां चिप्स, सर्वर और डाटा सेंटर पर अरबों डालर का जो पूंजीगत खर्च कर रही हैं, उसके रिटर्न पर सवाल उठने लगे हैं। इसके उलट भारतीय आइटी एवं सर्विस सेक्टर का माडल ऐसा है कि उसका डाटा सेंटर या चिप निर्माण से जुड़े जोखिमों से वास्ता नहीं। इसी कारण अन्य देशों के शेयर बाजारों जैसा भारतीय शेयर बाजार में नहीं हुआ। अमेरिका में बदले राजनीतिक हालात के कारण निवेशकों की भारत को लेकर बढ़ी दिलचस्पी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि यह खबर सुख-समृद्धि के त्योहार दीपावली के पहले आई।

पिछले कुछ समय में भारत में मध्य वर्ग की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस वर्ग का एक हिस्स शेयर बाजार में म्यूचुअल फंडों के जरिये निवेश करता है। शेयर बाजार में लंबे समय से छाई अनिश्चितता से इन निवेशकों की नींद उड़ी हुई थी। इस अनिश्चितता का एक प्रमुख कारण ट्रंप की नीतियां थीं। उनकी ओर से ईरान के खिलाफ जो युद्ध छेड़ा गया, उसके चलते पश्चिम एशिया से ऊर्जा का निर्यात करने वाला होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित हो गया। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस आदि के दाम बढ़े और इसका बुरा असर विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ा। इसके अलावा ईरान पर लगाम लगाने के लिए ट्रंप ने उसके साथ-साथ उससे व्यापार करने वाले देशों पर जो प्रतिबंध लगाए, उनके कारण भी आर्थिक समस्याएं बढ़ीं।

मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को लगे झटके से विश्व में अस्थिरता कम होने की जो उम्मीद बढ़ी, उसका भी भारत के शेयर बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा। इसके अलावा ट्रंप को लगे झटके से अमेरिका और भारत के रिश्ते सामान्य होने की जो संभावना बढ़ी, उसने भी भारतीय कारोबार जगत को उत्साहित किया। ट्रंप व्यापार समझौते को लेकर अड़यिल रवैया अपनाए हुए थे, पर भारत उनके दबाव का प्रतिकार करता रहा। चूंकि डेमोक्रेट ट्रंप की टैरिफ नीति के विरोधी हैं और भारत का महत्व समझते हैं, इसलिए वे ट्रंप पर दबाव बना सकते हैं कि अटके पड़े व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप दें। यदि ऐसा हो जाता है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को और बल मिलेगा।

वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं कि मध्यावधि चुनावों में हार के बाद ट्रंप का रवैया बदलेगा, क्योंकि वह मनमानी करने के लिए जाने जाते हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के फेर में ऐसे कदम उठाए, जिनका उलटा असर हुआ। ट्रंप ने इस पर ध्यान नहीं दिया कि उनकी मनमानी टैरिफ नीति से उनके ही कमजोर और मध्य वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। जहां मित्र देशों पर भी मनमाना टैरिफ थोपने से अमेरिका में आवश्यक वस्तुओं के मूल्य बढ़े, वहीं ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलने से पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम बढ़ गए। ट्रंप ने एक तरह से अमेरिका के साथ अन्य देशों में भी महंगाई बढ़ाने का काम किया। प्रवासियों के खिलाफ सख्ती बरतने की ट्रंप की नीति ने भी तमाम अमेरिकियों को नाराज किया। ट्रंप प्रशासन वैध रूप से अमेरिका आए दूसरे देशों के लोगों को जिस तरह तंग करता रहा, उससे ट्रंप के वे कट्टर समर्थक तो खुश हुए, जो यह मान रहे कि ऐसी ही नीतियां अमेरिका को फिर से महान बनाएंगी, लेकिन अमेरिकी समाज का एक हिस्सा उनके खिलाफ हो गया, क्योंकि वह यह जानता है कि अमेरिका की उन्नति में प्रवासियों का बड़ा योगदान है।

इन प्रवासियों में भारतीय प्रमुख हैं, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उनके प्रति भी बैर भाव दिखाया। इसके चलते वे भारतीय भी उनके खिलाफ हो गए, जिन्होंने दो साल पहले उनका समर्थन किया था। हालांकि कई लोग मान रहे हैं कि अब ट्रंप नरम पड़ेंगे, लेकिन उनके व्यक्तित्व को देखते हुए इसमें संदेह है कि वह अपना रवैया सुधारेंगे। अमेरिकी संविधान राष्ट्रपति को असीमित अधिकार देता है। ट्रंप संकेत दे रहे हैं कि वे अपने वीटो पावर का इस्तेमाल करेंगे। वे वीटो पावर के सहारे इसलिए मनमानी जारी रख सकते हैं, क्योंकि उस पर लगाम तब लग सकती थी, जब डेमोक्रेटिक पार्टी को संसद में दो तिहाई बहुमत मिल जाता। चूंकि ऐसा नहीं हुआ, इसलिए ट्रंप अपने शेष दो वर्ष के कार्यकाल में विश्व की मुसीबतें और बढ़ा सकते हैं।

ट्रंप ईरान के साथ टकराव वाले हालात और अधिक समय तक बनाए रखने की स्थिति में नहीं, क्योंकि उनके वे सहयोगी इस हालात से बेचैन हैं, जिन्हें अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता है। इनमें उप राष्ट्रपति जेडी वेंस भी हैं। उन्होंने मध्यावधि चुनाव में हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार माना। ट्रंप ने उनकी राय खारिज तो नहीं की, लेकिन अपनी ईरान नीति का बचाव किया। अमेरिका के लोकतांत्रिक इतिहास में ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति के रूप में सामने आए, जिन्होंने अमेरिकी हितों से अधिक निजी वित्तीय हितों को आगे रखा। वे अपने लिए शांति का नोबेल पुरस्कार तो चाहते रहे, लेकिन विश्व को अस्थिर करते रहे। चूंकि यह समय ही बताएगा कि डेमोक्रेटिक पार्टी का दबाव और रिपब्लिकन नेताओं की अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता ट्रंप को सही राह पर ला पाती है या नहीं, इसलिए भारत को सतर्क रहना होगा।

चीनी एआइ का बुलबुला फूटा, भारत के लिए भी चुनौती

आधुनिक आर्थिक इतिहास का एक निर्विवाद सत्य है- जब तकनीक का यथार्थ वित्तीय बाजारों के अति-उत्साह और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का बंधक बन जाता है, तब बुलबुलों का फूटना अवश्यंभावी हो जाता है। वर्ष 2000 में इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में दुनिया ऐसा ही %डॉट कॉम% संकट देख चुकी है, जब रातोंरात बनी कंपनियों के शेयर आसमान छूकर अचानक कौडि?ों के भाव आ गए थे। ठीक 26 वर्ष बाद शंघाई और शेनझेन के वित्तीय गलियारों में एआइ के आधार पर वैसा ही एक मायाजाल रच दिया गया। शंघाई स्टॉक एक्सचेंज का टेक प्रधान %स्टार 50% इंडेक्स, जिसे चीन का नैस्डेक कहा जाता है, अपने उच्चतम स्तर से 40 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। महज कुछ ही दिनों के अंतराल में चीनी टेक और सेमीकंडक्टर सेक्टर के बाजार पूंजीकरण से लगभग 480 अरब डॉलर अर्थात तकरीबन 40 लाख करोड़ रुपया पूरी तरह स्वाहा हो गए। इसे दुनियाभर में %चीनी एआइ बुलबुले का फूटना% कहा जा रहा है। बीजिंग द्वारा %न्यू प्रोडक्टिव फोर्सेज% के नारे तहत पोषित यह तकनीकी उन्माद अंततः जमीनी हकीकत से टकरा गया है।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में आई यह दरार ऐसे नाजुक मोड़ पर उभरी है, जब संपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही मुद्रास्फीति, भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चित ब्याज दरों के दोहरे दबाव से जूझ रही है। वॉल स्ट्रीट से लेकर फ्रैंकफर्ट तक के वित्तीय नीति-निर्माता अब इस आशंका से घिरे हैं कि क्या चीनी एआइ बुलबुले का यह विस्फोट सिलिकॉन वैली के खरबों डॉलर के एआइ पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर भी सवाल खड़े करेगा और 2008 के संकट की भांति वैश्विक मंदी की एक नई शृंखला को जन्म देगा? चीन में एआइ बूम की बुनियाद दरअसल आर्थिक से अधिक राजनीतिक और भू-रणनीतिक थी। रियल एस्टेट क्षेत्र के ऐतिहासिक संकट (एवरग्रांडे और कंट्री गार्डन के पतन) के बाद घरेलू पूंजी को एक नए सहारे की आवश्यकता थी।

सरकारी बैंकों, स्थानीय निकायों और राज्य-समर्थित फंड्स ने अरबों युआन बिना किसी ठोस वित्तीय अनुशासन के एआइ स्टार्टअप्स की झोली में डाल दिए। परिणामस्वरूप, वित्तीय बाजारों में एक अवास्तविक तेजी का जन्म हुआ। मिनीमैक्स, बाइचुआन और झिपू जैसी दर्जनों मॉडल लैब्स ने यूनिकॉर्न का दर्जा पा लिया, जबकि उनके पास वास्तविक राजस्व या परिचालन लाभ का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं था। शंघाई और शेनझेन के दैनिक इक्विटी कारोबार का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले एआइ-संबद्ध शेयरों में सिमट गया था। प्रतिद्वंद्विता की दौड़ में सबसे घातक मोड़ तब आया जब बाइडू , अलीबाबा, टेनसेंट और बाइटडांस जैसे दिग्गजों ने अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स के एपीआइ टोकन की कीमतों में 90 से 99 प्रतिशत तक की भारी कटौती कर दी। इस कदम ने बौद्धिक संपदा को एक कमोडिटी बना दिया। इससे छोटे और मध्यम आकार के स्टार्टअप्स का कैश बर्न रेट असहनीय हो गया। उनका बिजनेस मॉडल ताश के पत्तों की तरह ढह गया। अमरीकी प्रतिबंधों ने उन्नत चिप्स और चिप-मेकिंग उपकरणों के चीन निर्यात पर सख्त पाबंदी लगा दी। हार्डवेयर की इस दुर्गम बाधा ने चीनी मॉडल्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को पंगु बना दिया।

हम अंधे-बहरे लोगज, एंबुलेंस भी नहीं दिखती

क्या हम रायपुरवासी अंधे-बहरे हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि राजधानी रायपुर के फाफाडीह चौक के सिग्नल पर विगत दिवस एक एंबुलेंस फंस गई थी। मरीज को लेकर अस्पताल जा रहा एंबुलेंस का ड्राइवर वहां खड़े लोगों को रास्ता देने के लिए लगातार सायरन बजाता रहा... लेकिन मजाल है कि कोई भी टस से मस हो जाता। जैसे-जैसे ट्रैफिक धीरे-धीरे आगे सरकता गया, एंबुलेंस भी धीरे-धीरे आगे बढ़ी।एंबुलेंस आपातकालीन वाहन सेवा है, जिसका सीधा संबंध सड़क पर इंसानियत के साथ जिम्मेदारी और अनुशासन से है। जब कोई एंबुलेंस सायरन बजा रही है, तो इसका मतलब हुआ कि वह मौत से संघर्ष कर रहे किसी इंसान की जिंदगी बचाए रखने के लिए दौड़ रही है। ऐसे में एक सभ्य समाज का दायित्व है कि वह एंबुलेंस को तुरंत रास्ता दे और अन्य लोगों से भी रास्ता दिलवाना चाहिए।हम लोग जब सड़कों पर वाहन लेकर निकलते हैं तो बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था और जाम के बीच जहां भी जगह मिले निकलने की कोशिश करते हैं। इससे होता यह है कि वाहन एक के बाद एक फंसते चले जाते हैं और लोग एक-दूसरे लड़ने-भिड़ने लगते हैं। ट्रैफिक सिविक सेंस लोगों में होना बहुत जरूरी है। अगर सभी लोग अपनी कतार में चलते रहें, तो जल्दी वहां से निकल सकते हैं, कि क्या ट्रैफिक विभाग का काम सीसीटीवी में देखकर सिर्फ चालान काटना और पैसे वसूलना है।

अधिक उपयोगी हुई अग्निपथ योजना

सरकार ने अग्निपथ योजना में परिवर्तन करके अग्निवीरों के लिए सेवा का दायरा बढ़ाया है। इन बदलावों की घोषणा ऐसे समय में हुई जब 24,400 अग्निवीरों के पहले बैच का चार साल का सेवा कार्यकाल समाप्ति के निकट है, जिसमें से 75 प्रतिशत तक यानी 18,300 जवानों का सैन्य बलों से बाहर होना तय माना जा रहा था। जून 2022 में शुरू अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की चार वर्षीय कार्यकाल के लिए भर्तियां की गई थीं, जिसमें मेरिट के आधार पर 25 प्रतिशत को नियमित सेवा में बनाए रखने का प्रविधान किया गया था। सेवा की छोटी अवधि और रोजगार की अनिश्चितता को लेकर इस योजना को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अब संशोधित नियमों के तहत चार वर्ष के शुरुआती कार्यकाल के बाद 25 प्रतिशत अग्निवीरों को मेरिट के आधार पर नियमित सशस्त्र बलों में शामिल करने के साथ शेष 75 प्रतिशत के पास स्वैच्छिक आधार पर अपनी सेवा दो वर्ष बढ़ाने का विकल्प होगा। छह वर्ष पूरे होने पर सभी अग्निवीरों को उनकी सहमति और सेना द्वारा तय चयन मानदंडों के अधीन नियमित सैनिक के रूप में शामिल होने का अवसर भी दिया जाएगा।

बदले हुए नियमों में बढ़ा हुआ पारिश्रमिक, संवर्धित सेवा-निधि पैकेज और वरिष्ठता से संबंधित लाभ भी शामिल हैं, लेकिन अभी भी कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर स्पष्टता की आवश्यकता है। इनमें सेवा विस्तार के बाद नियमित किए जाने वाले जवानों की वरिष्ठता के अलावा पेंशन-योग्य सेवा का आकलन जैसे पहलू भी हैं। पहले यह प्रविधान था कि स्थायी होने तक अग्निवीर विवाह नहीं कर सकते थे। इस पर भी स्पष्टता की दरकार है। संशोधित नियमों को वित्तीय कसौटी से भी गुजरना होगा, क्योंकि इसमें बढ़े वेतन के साथ-साथ पेंशन और ग्रेच्युटी के भुगतान का बिंदु भी जुड़ेगा। इस अतिरिक्त वित्तीय बोझ की एक बड़ी हद तक भरपाई प्रशिक्षण लागत में होने वाली बचत से हो सकती है।अग्निपथ योजना में किए गए परिवर्तन कई अनिश्चितताओं को दूर करने वाले भी हैं। अब अग्निवीरों के समक्ष करियर को लेकर संशय के बादल छंटेंगे। यह भी सुनिश्चित हो सकेगा कि यूनिट स्तर पर प्रशिक्षित मानव संसाधन में एकाएक कोई कमी न हो। सैन्य टुकड़ियों के बीच आंतरिक तालमेल और परिचालन संबंधी सैन्य तत्परता एवं तैयारी को भी इन बदलावों से मजबूती मिलेगी। भविष्य के युद्धों एवं संघर्षों में न केवल उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता, अपितु एक जटिल और प्रतिस्पर्धी रणक्षेत्र के परिवेश में उनके तत्परता से प्रभावी उपयोग करने की क्षमताएं भी उतनी ही आवश्यक होंगी।अग्निपथ योजना भारतीय सैन्य बलों के तकनीकी रूपांतरण और बहुआयामी अभियानों यानी मल्टी डोमेन आपरेशंस-एमडीओ के संदर्भ में अवसर के साथ कुछ चुनौतियां भी पेश करती है। आरंभिक रूप में केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही स्थायी बनाने का प्रविधान एक बड़ी चुनौती बनता दिख रहा था। आज सैन्य कौशल केवल बुनियादी प्रशिक्षण तक सीमित ही नहीं रह गया, बल्कि इस मोर्चे पर निरंतर प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव और चरणबद्ध विशेषज्ञता के माध्यम से उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करना भी अनिवार्य है। स्पष्ट है कि वास्तविक चुनौती एक युवा एवं तकनीकी रूप से दक्ष सैन्य बल के फायदों और दीर्घकालिक विशेषज्ञता, अनुभवी सैनिकों की मौजूदगी तथा परिचालन संबंधी निरंतरता के बीच एक संतुलित सामंजस्य स्थापित करने की है।अग्निपथ योजना की सफलता को केवल इससे नहीं आंका जाना चाहिए कि सेना कितनी तेजी से नई तकनीक को अपनाती है, बल्कि इस कसौटी पर किया जाना चाहिए कि सेना समय के साथ इस तकनीकी विशेषज्ञता को बनाए रखने, संस्थागत रूप देने और प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने में कितनी सक्षम है। तकनीक कम समय में प्रशिक्षित किया जा सकता है, लेकिन एक अनुभवी बहुआयामी योद्धा तैयार करने के लिए निरंतर निवेश, सामूहिक प्रशिक्षण और वास्तविक परिचालन अनुभव की दरकार होती है।

जानकारी

सैलरी और पेंशन पर आ सकता है बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. 8वें वेतन आयोग ने अपने देशव्यापी दौरे के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 और 23 जून को अहम बैठक तय की है. इस बैठक में केंद्रीय सरकारी संस्थानों, कर्मचारी यूनियनों और संगठनों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.आयोग का मकसद कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सुनना है ताकि नई वेतन संरचना तैयार करते समय कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. आयोग ने स्पष्ट किया है कि लखनऊ बैठक में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश की कर्मचारी यूनियनों को 10 जून 2026 तक एनआईसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा.आयोग ने अपॉइंटमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है. यूनियनों को पहले अपना मांग पत्र आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करना होगा. मांग पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी. इसी मेमो आईडी के जरिए यूनियनें बैठक के लिए अपॉइंटमेंट ले सकेंगी.इस बीच आयोग ने सभी केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और पेंशनर्स एसोसिएशन्स से 31 मई 2026 तक अपनी सिफारिशें और मांग पत्र जमा करने को कहा है.

देश के बड़े कर्मचारी संगठन जैसे एनसी-जेसीएम और एआईडीईएफ

शिक्षा

तराई की खुशबू से भरपूर लखीमपुर खीरी के कच्चे केले के कोफ्ते

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी सिर्फ अपनी हरियाली, तराई और गन्ने की खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक स्वादों के लिए भी खास पहचान रखता है. नेपाल सीमा से सटे इस इलाके की रसोई में मिट्टी की सोंधी खुशबू, देसी मसालों का संतुलन और घर जैसा स्वाद हर व्यंजन में महसूस होता है. इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में ÷कच्चे केले के कोफ्ते÷ ऐसी शाही डिश मानी जाती है, जो आज भी यहां के केले का इस्तेमाल सिर्फ साधारण सब्जी के रूप में नहीं, बल्कि बेहद खास अंदाज में किया जाता है. यहां बनने वाले केले के कोफ्ते इतने मुलायम और रेशमी होते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं. इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलित स्वाद है, जिसमें मसाले केले के प्राकृतिक स्वाद को दबाते नहीं बल्कि उसे और निखार देते हैं.सबसे पहले कच्चे केलों को हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलें नहीं, बस इतने नरम हो जाएं कि आसानी से मैश किए जा सकें. अब केले का छिलका हटाकर उन्हें अच्छे से मैश करें. इसमें भुना बेसन, हरी मिर्च, अदरक, अजवाइन, हींग, नमक और लाल मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें.

34 लाख रुपये तक की कटौती, भारत में असेंबलिंग शुरू होते ही बदले दाम

नई दिल्ली. लग्जरी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिएको लेकर बड़ी खबर सामने आई है. ने भारत में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड की लोकल असेंबली शुरू कर दी है. इसके बाद कंपनी ने चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 34 लाख रुपये तक की कटौती की है. कीमतों में इस बदलाव से पहले के मुकाबले अधिक किफायती हो गई है, हालांकि यह अब भी प्रीमियम लग्जरी श्रेणी में आती है. कंपनी अब महाराष्ट्र के पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 110 के चुनिंदा वेरिएंट को असेंबल कर रही है. पहले इन गाड़ियों को पूरी तरह निर्मित यूनिट यानी ष्टक के रूप में विदेश से भारत लाया जाता था. लोकल असेंबली से आयात लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका फायदा ग्राहकों को कम कीमत के रूप में मिला है. नई कीमतों के साथ एक बार फिर भारतीय लग्जरी बाजार में चर्चा का विषय बन गई है.कीमतों में आई कमी का सबसे बड़ा कारण इसकी भारत में लोकल असेंबली को माना जा रहा है. अब तक कंपनी इस को स्लोवाकिया से पूरी तरह निर्मित यूनिट के रूप में भारत में आयात करती थी. इस प्रक्रिया में आयात शुल्क और अन्य संबंधित लागतें वाहन की अंतिम कीमत को प्रभावित करती थीं.

किसानों को गेहूं की बुआई समय अच्छे बीज का चुनाव करना चाहिए डा. सी.बी. सिंह

अश्विनी वालिया। सिटी चीफ

कुरुक्षेत्र, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह ने कहा कि किसान किसी भी फसल की बुआई से पूर्व कृषि विशेषज्ञों तथा कृषि अधिकारियों से जरूरी जानकारी अवश्य हासिल करें। किसान सही समय



पर अच्छे बीज का चुनाव कर अच्छी फसल का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने गेहूं की फसल की बुआई पर चर्चा करते हुए कहा कि फसल की बुआई के समय मौसम एवं तापमान का भी अहम योगदान है। अगर तापमान अनुकूल होता है तो पौधे का विकास अच्छे से होता है। किसानों को बीज का चुनाव करते समय कृषि विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के साथ परामर्श करने उपरांत गेहूं की बुआई के लिए सरकारी संस्थान या मान्यता प्राप्त बीज भंडार से बीज लेना चाहिए। अवश्य करें। बीज को जनित ं से बचाव के लिए बीजों को बावस्टीन और बीटावैक्स इत्यादि परामर्श की गई दवाइयों से उपचारित करना चाहिए। दीमक से बचाने के लिए भी उपचार करना चाहिए। बीज को खेतों में सही तकनीक से ही डालें। गेहूं की बिजाई के लिए सुपर सीडर जैसे आधुनिक कृषि उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए इनकी मदद से बीज को सही मात्रा में और गहराई पर बोया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, बीती रात शहडोल जिला मुख्यालय स्थित चौपाटी के पास तालाब में डूबने से तीन किशोरों की हुई दुखद मृत्यु की घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत किशोरों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। घटना की गंभीरता और मृतकों के परिवारों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने पीडित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। कलेक्टर के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से तीनों मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रकार तीनों परिवारों को कुल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

अपर कलेक्टर एवं एसडीएम ने शोकाकुल परिवारों को बंधाया ढांढस संकटापन्न मद से प्रदान किए 10-10 हजार रुपये

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ



शहडोल। जिला मुख्यालय शहडोल में चौपाटी के पास स्थित तालाब में 9 नवम्बर की शाम डूबने से हुई तीन युवकों की मृत्यु के बाद अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने मृतकों के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा इस दुख की घडी में धैर्य रखने की अपील की। उन्होंने परिवारों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन इस कठिन समय में उनके साथ है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं एसडीएम ने जनजातीय कार्य विभाग के संकटापन्न मद से तीनों मृतकों के परिजनों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की।

लकडी से भरे ट्रक में अचानक लगी आग, लोगों ने शोर मचाकर चालक को दी जानकारी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ



सहारनपुर (उ.प्र.), सहारनपुर जनपद के कस्बा व थाना गागलहेडी के कैलाशपुर में लकडी से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। थोडी देर में ही आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने चिल्लाकर चालक को सूचना दी और आग बुझाने के प्रयास किए लेकिन आग तीव्रगति से बढती ही गई। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लाखों का फर्नीचर जलकर स्वाहा हो गया।

बदलता मध्यप्रदेश, बदलता बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व गजराजों का गढ़ बना बांधवगढ़, लौट रही है भारत की प्राकृतिक विरासत

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

एक सदी बाद मध्य भारत के जंगलों में हाथियों की स्थायी वापसी, संरक्षण, वैज्ञानिक निगरानी और मानव-हाथी सह-अस्तित्व की नई कहानी

प्रस्तुतकर्ता = गजेन्द्र द्विवेदी

प्रस्तावना = भारतीय संस्कृति और विरासत का अभिन्न अंग हैं गजराज

भारत ने अपने पांच हजार वर्षों के गौरवशाली इतिहास में सभ्यता, संस्कृति, कला, विज्ञान और स्थापत्य के क्षेत्र में पूरी दुनिया को अपनी समृद्ध विरासत से परिचित कराया है। प्राचीन युद्धों से लेकर विशाल मंदिरों के निर्माण और राजसी वैभव के प्रतीकों तक, भारतीय इतिहास के अनेक अध्यायों में एक विशालकाय जीव की भूमिका अविस्मरणीय रही है। वह जीव है–हाथी।

पानीपत के ऐतिहासिक युद्ध हों, दक्षिण भारत के भव्य मंदिरों का निर्माण हो अथवा राजदरबारों की शान, हाथियों ने भारतीय सभ्यता और परंपराओं को विशिष्ट पहचान दिलाई है। हाथी केवल जंगलों में विचरण करने वाला वन्यजीव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था, शक्ति, समृद्धि और गौरव का प्रतीक भी रहा है। यही कारण है कि भारत में हाथी को राष्ट्रीय धरोहर पशु का सम्मान प्राप्त है।

आज इसी गौरवशाली प्राकृतिक विरासत की वापसी की एक अनूठी कहानी मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सामने आ रही है। लगभग एक सदी तक इस क्षेत्र से दूर रहे जंगली हाथियों ने एक बार फिर बांधवगढ़ के जंगलों को अपना ठिकाना बनाया है। यह केवल हाथियों की वापसी नहीं, बल्कि मध्य भारत के बदलते वन्यजीव परिदृश्य और प्रकृति की पुनर्जीवित होती विरासत की कहानी है।

1. बांधवगढ़ बाघों के साथ अब गजराजों का भी संसार

मध्यप्रदेश के उमरिया और शहडोल जिलों में फैला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व देश में बाघों के सर्वाधिक घनत्व वाले क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। लेकिन वर्ष 2018 के बाद यहां वन्यजीवों की दुनिया में एक नया अध्याय जुड़ा। एशियाई हाथियों ने लगभग एक सदी बाद इस क्षेत्र में फिर से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

छत्तीसगढ़ की ओर से आए लगभग 30 से 35 हाथियों के एक झुंड ने बांधवगढ़ की धरती पर कदम रखा। शुरुआत में इसे मौसमी आवाजाही माना गया, लेकिन धीरे-धीरे हाथियों ने यहां के जंगलों, जलस्रोतों और प्राकृतिक आवास को अपना स्थायी ठिकाना बना लिया।

आज बांधवगढ़ और आसपास के वन परिदृश्य में हाथियों की मौजूदगी ने इस क्षेत्र की जैव विविधता को एक नया आयाम दिया है। बाघों के लिए प्रसिद्ध यह जंगल अब गजराजों के विचरण और संरक्षण के लिए भी जाना जाने लगा है।

2. मध्यभारत में हाथियों का गौरवशाली इतिहास और विलुप्ति की कहानी

कभी मध्यभारत हाथियों की बड़ी आबादी वाला क्षेत्र हुआ करता था। ऐतिहासिक अभिलेखों में ओडिशा से बस्तर, बुंदेलखंड, बघेलखंड और मध्यप्रदेश होते हुए गुजरात तक फैले विशाल वन क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी के प्रमाण मिलते हैं। इस वन



पट्टी को महान मध्य भारतीय वन क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है।

मुगलकालीन इतिहासकार अबुल फजल ने अपने विवरणों में मालवा और इलाहाबाद सहित अनेक सूबों में हाथियों की बड़ी संख्या का उल्लेख किया है। उस समय हाथी सैन्य शक्ति, राजसी वैभव और परिवहन व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हुआ करते थे।

मुगल शासक अकबर के शासनकाल में हाथियों की विशेष उपयोगिता थी। युद्धों में हाथियों का इस्तेमाल किया जाता था और राजदरबारों में उनका महत्वपूर्ण स्थान था। मालवा, शिवपुरी और चंदेरी के आसपास के जंगलों में हाथियों को पकड़ने तथा शिकार किए जाने के ऐतिहासिक उल्लेख भी मिलते हैं।

समय के साथ जंगलों की कटाई, कृषि भूमि का विस्तार, शिकार और हाथियों को पकड़ने की बढ़ती गतिविधियों ने उनकी संख्या को प्रभावित किया। औपनिवेशिक काल में यह गिरावट और तेज हुई। वर्ष 1969 के एक वन्यजीव सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश से लुप्त हो चुके बड़े वन्यजीवों में हाथियों का भी उल्लेख मिलता है।

वन विशेषज्ञों के अनुसार, लगभग वर्ष 1920 के बाद मध्यप्रदेश में हाथियों की कोई स्थायी जंगली आबादी नहीं रह गई थी। हालांकि छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी बनी रही। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद यह क्षेत्र अलग राज्य का हिस्सा बन गया।

वर्ष 2002 के आसपास छत्तीसगढ़ से हाथियों के झुंड मानसून के दौरान सीधी क्षेत्र और संजय गांधी टाइगर रिजर्व के आसपास आने लगे थे। बाद में उनकी आवाजाही का दायरा बढ़ता गया। खनन गतिविधियों, जंगलों के विखंडन और प्राकृतिक आवास पर बढ़ते दबाव ने भी हाथियों को नए क्षेत्रों की तलाश के लिए प्रेरित किया।

3. वर्ष 2018 बांधवगढ़ में गजराजों की ऐतिहासिक वापसी

वर्ष 2018 बांधवगढ़ के वन्यजीव इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया। छत्तीसगढ़ की ओर से शहडोल वन परिदृश्य के रास्ते लगभग 30 से 35 हाथियों का झुंड बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर क्षेत्र में पहुंचा। इसके बाद यह झुंड पतौर और खितौली रेंज होते हुए बिरुहली तक पहुंचा।

धीरे-धीरे हाथियों ने इस क्षेत्र में अपना आवास विकसित कर लिया। बांधवगढ़ के जंगलों में उपलब्ध पर्याप्त पानी, घास के मैदान, वनस्पति और सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण ने उन्हें यहां रुकने के लिए अनुकूल परिस्थितियां प्रदान कीं।

आज बांधवगढ़ के साथ संजय-दुबरी टाइगर रिजर्व और शहडोल के बाणसागर बैकवॉटर क्षेत्र में भी हाथियों की आवाजाही देखी जाती है।

वर्तमान में बांधवगढ़ और आसपास के वन परिदृश्य में लगभग 50 से 70 जंगली हाथियों का विचरण बना हुआ है। यह संख्या इस बात का संकेत है कि मध्यप्रदेश का यह क्षेत्र अब हाथियों के लिए भी महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवास बन चुका है।

बांधवगढ़ के पर्यटन क्षेत्रों में भी हाथियों की मौजूदगी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गई है। विशेष रूप से खितौली पर्यटन क्षेत्र में हाथियों के झुंड देखने को मिल जाते हैं। कभी बाघों की एक झलक पाने के लिए प्रसिद्ध यह क्षेत्र अब गजराजों की मौजूदगी से भी रोमांचित करता है।

हालांकि कुछ नर हाथियों का पर्यटक वाहनों की ओर दौड़ना कभी-कभी रोमांच के साथ खतरे की स्थिति भी पैदा करता है। इसलिए वन विभाग पर्यटकों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने और वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार का सम्मान करने की सलाह देता है।

4. अक्टूबर 2024 की दुखद घटना = संरक्षण के सामने आई बड़ी चुनौती

हाथियों की वापसी ने बांधवगढ़ के जंगलों को नई पहचान दी, लेकिन इनके साथ मानव-हाथी संघर्ष की चुनौती भी सामने आई। खेतों में फसलों को नुकसान, मकानों की क्षति और ग्रामीणों के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ने लगीं।

इसी बीच 29 अक्टूबर 2024 को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली और पतौर रेंज की सीमा पर एक हृदयविदारक घटना हुई। 13 हाथियों के झुंड में से चार हाथी मृत पाए गए। अगले दो दिनों में छह और हाथियों की मौत हो गई। इस प्रकार एक ही झुंड के दस हाथियों की असमय मृत्यु ने पूरे वन्यजीव जगत को झकझोर दिया।

जांच और पोस्टमार्टम में हाथियों के पेट में बड़ी मात्रा में बिना पचा कोदो पाया गया। जबलपुर तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली की फोरेंसिक जांच में साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड नामक माइकोटॉक्सिन की पहचान हुई। यह विषाक्त पदार्थ नमी की स्थिति में कोदो की फसल को प्रभावित करने वाली फफूंद से उत्पन्न होता है।

जांच में कीटनाशकों की मौजूदगी नहीं मिली। इससे फसल को नुकसान पहुंचाने के प्रतिशोध में जानबूझकर जहर दिए जाने की आशंका खारिज हुई।

इस घटना के बाद एहतियातन प्रभावित क्षेत्र की खड़ी कोदो की फसल नष्ट कराई गई। राज्य सरकार ने हाथियों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय हाथी टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की।

यह घटना वन्यजीव संरक्षण के लिए एक बड़ा सबक बनी। इससे स्पष्ट हुआ कि हाथियों और मनुष्यों के बीच सह-अस्तित्व स्थापित करने के लिए केवल जंगलों की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि आसपास के कृषि क्षेत्रों और फसलों की भी वैज्ञानिक निगरानी आवश्यक है।

5. तकनीक से गजराजों की निगरानी = अब चौबीसों घंटे नजर

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की बढ़ती संख्या और उनकी बदलती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने निगरानी व्यवस्था को आधुनिक और वैज्ञानिक स्वरूप दिया है।

जीपीएस और रेडियो कॉलर से निगरानी

नवंबर 2024 में एक संघर्ष-प्रवण नर हाथी को जीपीएस/वीएचएफ रेडियो कॉलर लगाया गया। इस कार्य में भारतीय वन्यजीव संस्थान और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया का तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ। इसके बाद अन्य नर हाथियों को भी कॉलर लगाए गए।

इस वर्ष मई में खितौली रेंज में छोड़े गए कॉलर-4 हाथी की गतिविधियां भी लगातार दर्ज की जा रही हैं। पानी में उतरने और लंबी दूरी तक घूमने की उसकी आदत के कारण उसकी तुलना विश्व प्रसिद्ध तैराक माइकल फेल्प्स से की जाती है।

इसी प्रकार कान्हा टाइगर रिजर्व में लगभग एक वर्ष तक उपचार और देखभाल के बाद एक आक्रामक हो चुके नर हाथी को रेडियो कॉलर पहनाकर बांधवगढ़ में छोड़ा गया, ताकि उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

अब वन अधिकारी झुंड की मुखिया मादा यानी मैट्रिआर्क को भी कॉलर लगाने की तैयारी कर रहे हैं। यह कार्य चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मुखिया मादा हमेशा झुंड के अन्य हाथियों से घिरी रहती है। लेकिन उसकी गतिविधियों की जानकारी मिलने से पूरे झुंड की आवाजाही को समझने में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है।

गजरक्षक एप = ग्रामीणों तक पहुंचेगी हाथियों की लोकेशन

हाथियों की गतिविधियों की जानकारी समय पर ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए वन विभाग द्वारा गजरक्षक मोबाइल एप संचालित किया जा रहा है।

बांधवगढ़ लैंडस्केप के 125 से अधिक गांवों के 2500 से अधिक ग्रामीणों को इस एप से जोड़ा जा चुका है। इसके माध्यम से हाथियों की लोकेशन साझा करने और संभावित खतरे के प्रति ग्रामीणों को सतर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

एप के प्रभावी संचालन के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और आसपास के वन परिदृश्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

इसके अतिरिक्त बांधवगढ़ में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर पूर्वी मध्यप्रदेश के हाथी प्रभावित सात जिलों से जानकारी जुटाई जाती है। यह जानकारी प्रतिदिन भोपाल स्थित राज्य मुख्यालय को भेजी जाती है। हाथियों की आवाजाही से संबंधित रेडियो बुलेटिन और जिला स्तर पर व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से भी अलर्ट जारी किए जाते हैं।

इस पूरी व्यवस्था का उद्देश्य हाथियों के गांवों में पहुंचने के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से संभावित खतरे का अनुमान लगाकर ग्रामीणों को सुरक्षित करना है।

6. हाथी मित्र दल = ग्रामीणों और गजराजों के बीच विश्वास का सेतु

मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए बांधवगढ़ प्रबंधन ने प्रभावित गांवों में हाथी मित्र दलों का गठन किया है।

इन दलों में स्थानीय लोगों और प्रशिक्षित वनकर्मियों को शामिल किया गया है। हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलते ही ये दल संबंधित गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को सतर्क करते हैं। लोगों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, जंगल में अनावश्यक प्रवेश नहीं करने और हाथियों से अचानक सामना होने पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने की जानकारी दी जाती है।

स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी से तैयार यह व्यवस्था संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को हाथियों के प्रति जागरूक बनाना और उनके मन में व्याप्त भय को वैज्ञानिक जानकारी के माध्यम से दूर करना है।

मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय हाथी टास्क फोर्स का गठन और प्रोजेक्ट एलिफेंट के अंतर्गत राज्य की भागीदारी भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे हाथियों के संरक्षण, प्रबंधन और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के प्रयासों को संस्थागत मजबूती मिली है।

7. उपचार, पुनर्वास और शोध = संरक्षण की नई दिशा

बांधवगढ़ में हाथियों का संरक्षण अब केवल उनकी सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि बीमार, घायल और आक्रामक व्यवहार करने वाले हाथियों के उपचार एवं पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कॉलर-3 हाथी का कान्हा में उपचार और पुनर्वास के बाद बांधवगढ़ में छोड़ा जाना तथा इस वर्ष अक्टूबर में उसी नर हाथी का मानव बस्तियों में भटक आने पर बचाव किया जाना वन विभाग की बढ़ती वन्यजीव चिकित्सा और प्रबंधन क्षमता को दर्शाता है।

दूसरी ओर, रेडियो कॉलर से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर हाथियों की आवाजाही, उनके प्रवास मार्ग, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच वन गलियारों के उपयोग तथा मानव बस्तियों के नजदीक उनकी गतिविधियों का अध्ययन किया जा रहा है।

इन अध्ययनों से भविष्य में हाथियों के लिए सुरक्षित आवास और गलियारों की पहचान करने तथा मानव-हाथी संघर्ष को कम करने की रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

8. चुनौतियां और भविष्य = सह-अस्तित्व से ही सुरक्षित होगी विरासत

बांधवगढ़ में हाथियों की वापसी निश्चित रूप से प्रकृति के लिए सुखद संकेत है, लेकिन इस विरासत को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कई चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है।

सबसे बड़ी चुनौती मानव और हाथियों के बीच सह-अस्तित्व स्थापित करने की है। फसलों और संपत्ति को होने वाले नुकसान पर समय पर मुआवजा, प्रभावी पूर्व चेतावनी व्यवस्था और ग्रामीणों का विश्वास इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दूसरी चुनौती हाथियों के प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित रखने की है। छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों के बीच हाथियों की आवाजाही के लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

इसके अलावा बांधवगढ़ जैसे बाघ प्रधान वन क्षेत्र में हाथियों के लिए पानी और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करते समय अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को भी सुरक्षित रखना होगा। कोदो जैसी फसलों में विषाक्तता और अन्य संभावित खतरों की नियमित निगरानी भी जरूरी है।

वर्तमान में सीमित संख्या में हाथियों को रेडियो कॉलर लगाए गए हैं। भविष्य में झुंड की मुखिया मादाओं की निगरानी से उनके पूरे समूह की आवाजाही को समझने में और अधिक सहायता मिल सकती है।

समापन = बांधवगढ़ की धरती पर लौट रही है प्रकृति की खोई हुई पहचान

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की कहानी अब केवल बाघों के संरक्षण तक सीमित नहीं रह गई है। यहां गजराजों की वापसी ने मध्यप्रदेश के वन्यजीव इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

लगभग एक सदी तक जिस क्षेत्र में हाथियों की स्थायी मौजूदगी समाप्त हो चुकी थी, वहां आज फिर उनके झुंड स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं। जंगलों में गूंजती उनकी चिंघाड़, जलस्रोतों में उनकी अठखेलियां और घने वन क्षेत्रों में उनके पदचिह्न इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति को अनुकूल परिस्थितियां मिलें तो वह अपनी खोई हुई पहचान फिर हासिल कर सकती है।

यह वापसी किसी कृत्रिम पुनर्स्थापन कार्यक्रम का परिणाम नहीं, बल्कि हाथियों द्वारा अपने ऐतिहासिक प्राकृतिक परिदृश्य में स्वयं लौटकर बसने का दुर्लभ उदाहरण है।

बदलते मध्यप्रदेश में बदलता बांधवगढ़ आज वन्यजीव संरक्षण की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। यहां बाघों के साथ गजराजों की मौजूदगी जैव विविधता को समृद्ध कर रही है। जरूरत इस बात की है कि वन विभाग, स्थानीय समुदाय और सरकार मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें, जिसमें जंगल के राजा बाघ और विशालकाय गजराज दोनों सुरक्षित रहें तथा ग्रामीणों का जीवन भी सुरक्षित और खुशहाल बना रहे।

क्योंकि बांधवगढ़ में हाथियों की वापसी केवल एक वन्यजीव की वापसी नहीं, बल्कि भारत की प्राकृतिक विरासत के फिर से जीवंत होने की कहानी है।

17 नवम्बर को होगा आलेख्य प्रकाशन, 16 दिसम्बर तक लिए जाएंगे दावे एवं आपत्तियां

विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु संशोधित समय-सारिणी जारी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2027 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने बताया कि आयोग द्वारा घोषित संशोधित कार्यक्रमानुसार जनपद की समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन अब 17 नवम्बर, 2026 को किया जाएगा। इसके उपरांत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 नवम्बर, 2026 से 16 दिसम्बर, 2026 तक निर्धारित की गई है। आयोग द्वारा घोषित संशोधित समय सारिणी के अनुसार मतदेय स्थलों का



सम्भाजन / पुनर्गठन - 02 नवम्बर, 2026 तक, एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन- 17 नवम्बर, दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 नवम्बर से 16 दिसम्बर 2026 तक, दावों एवं आपत्तियों के निस्तारण की अंतिम तिथि- 28 दिसम्बर, 2026 तक, निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन- 04 जनवरी, 2027 निर्धारित की गई है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपदवासियों एवं विशेष रूप से युवा वर्ग से अपील की है कि ऐसे सभी नागरिक जो 01 जनवरी, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं अथवा पूर्व में पंजीकरण से छूट गए हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित कराने हेतु प्रारूप-6 अवश्य भरें। किसी प्रविष्टि में संशोधन अथवा निवास परिवर्तन हेतु प्रारूप-8 तथा किसी अपात्र नाम को विलोपित कराने/आपत्ति दर्ज कराने हेतु प्रारूप-7 भरा जा सकता है। नागरिक अपने संबंधित मतदेय स्थल पर बी0एल0ओ0 से संपर्क कर अथवा ऑनलाइन माध्यम से

बिलासपुर में 15 नवंबर से 154 केंद्रों पर धान खरीदी, तैयारियां अंतिम चरण में

14 नए केंद्र खुलने से किसानों को मिलेगी सुविधा; वास्तविक किसानों को लाभ दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता—कलेक्टर

प्रभात सोंचात्र। सिटी चीफ

बिलासपुर (छ.ग.), मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप बिलासपुर जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी। इस वर्ष 14 नए खरीदी केंद्र बढ़ने के साथ जिले के कुल 154 उपार्जन केंद्रों में किसानों से धान खरीदा जाएगा। केंद्रों में खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। शासन इसके लिए बड़ी राशि खर्च करता है, ताकि किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले और उनके जीवन स्तर में सुधार आए। उन्होंने निर्देश दिए कि अपनी मेहनत की उपज बेचने आने वाले वास्तविक किसानों को केंद्रों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचे, इसके लिए कोचियों और बिचौलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

छत्तीसगढ़ में धान की खेती बड़ी संख्या में किसान परिवारों की आजीविका का आधार है। धान खरीदी किसानों की वर्षभर की मेहनत को आर्थिक संबल देती है। इससे प्राप्त आय खेती की अगली तैयारी के साथ बच्चों की पढ़ाई, परिवार की जरूरतों और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में मददगार होती है। किसानों की क्रय शक्ति बढ़ने से गांवों के बाजार और स्थानीय कारोबार को भी गति मिलती है। ऐसे में सुव्यवस्थित और पारदर्शी धान खरीदी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कलेक्टर ने प्रत्येक खरीदी केंद्र में किसानों के बैठने, पेयजल



और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। सभी केंद्रों के लिए जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में खरीदी प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखेंगे और किसी भी गड़बड़ी की आशंका होने पर सीधे उन्हें अवगत कराएंगे। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को 15 नवंबर से पहले संबंधित केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियां पूर्ण होने की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। रिपोर्ट में शासन की निर्धारित चेकलिस्ट के सभी 36 बिंदुओं की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज करनी होगी।

बैठक में बताया गया कि खरीदी केंद्रों में बारदाने पहुंच चुके हैं। इनमें आधे नए और आधे पुराने बारदाने हैं। कलेक्टर ने बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए धान को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था पहले से करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 नवंबर को जिले के सभी 154 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ की जाएगी।

बाहरी धान की आवक रोकने के लिए मंडी और वन विभाग के बैरियर सक्रिय कर दिए गए हैं। इन स्थानों पर वाहनों के प्रवेश और उनमें लदी सामग्री की जांच की जा रही है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे अपनी ऋण पुस्तिका किसी अन्य व्यक्ति को न दें, ताकि उसका दुरुपयोग न हो और धान खरीदी का लाभ वास्तविक किसानों को ही मिले।

कलेक्टर ने पिछले वर्ष धान बेचने वाले ऐसे किसानों से संपर्क करने के निर्देश भी दिए, जिनका इस वर्ष अब तक पंजीयन नहीं हो पाया है। उन्होंने इन किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि टोकन की व्यवस्था ऑनलाइन और समिति स्तर, दोनों माध्यमों से रहेगी। 70 प्रतिशत टोकन 'तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से और 30 प्रतिशत समिति स्तर से जारी किए जाएंगे। धान खरीदी में छोटे किसानों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी।बैठक में केक्टर ने अन्य लंबित प्रकरणों के साथ सीएम हेल्पलाइन, पीएम सूर्यघर योजना, पारस पोर्टल, जनगणना कार्य तथा अधिकारियों द्वारा छात्रावासों के निरीक्षण की भी समीक्षा की। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पचभाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।



बन्नूबगीचा में पुलिस और एसएसबी का संयुक्त सर्च अभियान; कार्बाइन, राइफल और जिंदा कारतूस बरामद

उत्तम कुमार। सिटी चीफ

लखीसराय (बिहार), लखीसराय जिले के नक्सल प्रभावित बन्नूबगीचा थाना क्षेत्र अंतर्गत टेकहवा पहाड़ी (डईनी टोला के समीप) पर मंगलवार को पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के संयुक्त सर्च अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षाबलों ने पहाड़ी की चोटी से एक कार्बाइन, एक पुरानी राइफल और भारी मात्रा में कारतूस सहित अन्य सामग्री बरामद की है। लखीसराय पुलिस अधीक्षक श्री मति प्रेरणा कुमार के निर्देश पर बन्नूबगीचा थाना पुलिस और एसएसबी की टीम ने खोजी उपकरणों की सहायता से टेकहवा पहाड़ी पर सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान पहाड़ी की चोटी पर छिपाकर रखे गए हथियारों का जखीरा बरामद हुआ।तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों ने 01 कार्बाइन राइफल, 01 पुरानी राइफल, 01 मैगजीन, 37 जिंदा कारतूस, 09 मिसफायर कारतूस, 12 खोखा, 01 दूरबीन, 02 राउंड चार्जर (क्लिप) और 01 ईयरफोन जब्त किया है।

इस मामले में बन्नूबगीचा थाना में कांड संख्या 79/26 के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-ङ)ङ्ग/26 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई और मामले की छानबीन में जुटी है। इस छापेमारी दल में बन्नूबगीचा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक (पु0अ0नि0) सूरज कुमार और एसएसबी बन्नूबगीचा की टीम शामिल थी।

नगर निगम की सड़कों के लिए अंकित गौरहा की पहल सफल अब जनता को सड़क चाहिए, सिर्फ सरकारी आदेश नहीं!

प्रभात सोंचात्र। सिटी चीफ

बिलासपुर (छ.ग.), बेलतरा, डामर की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते प्रदेश में सड़क निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे थे। इस बीच लोक निर्माण विभाग के पात्र कार्यों को राहत देने के निर्णय के बाद नगर निगम की सड़कों को राहत नहीं मिलने का मुद्दा कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने प्रमुखता से उठाया था। अब 2 नवंबर 2026 को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के नगरीय निकायों के लिए भी डामर की बढ़ी कीमतों की आंशिक क्षतिपूर्ति का आदेश जारी कर दिया है।27 अक्टूबर को मंत्रिपरिषद की बैठक में डामर की बढ़ी कीमतों के कारण लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के पात्र कार्यों को राहत देने का निर्णय लिया गया था। ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के लिए 130.88 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का प्रावधान भी सामने आया। लेकिन नगर निगम की सड़कों को लेकर राहत का स्पष्ट



आदेश नहीं था। इसी मुद्दे पर अंकित गौरहा ने सवाल उठाते हुए कहा था कि जब की सड़कों के ठेकेदारों को राहत मिल सकती है, तो नगर निगम की सड़कों के निर्माण में लगे ठेकेदारों को इससे बाहर क्यों रखा गया है?लगातार उठाए जा रहे इस मुद्दे के बीच नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 2 नवंबर 2026 को आदेश क्रमांक 2026-ष्ठ/357192 जारी किया। आदेश में प्रदेश के समस्त नगर पालिका निगमों के आयुक्तों सहित नगरीय निकायों के अधिकारियों को प्रतिलिपि भेजी गई है। इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक की अवधि के लिए पात्र राज्य वित्त पोषित अनुबंधित कार्यों में डामर की वास्तविक खपत और रिफाइनरी की कीमतों के अंतर के आधार पर आंशिक क्षतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। यह लाभ उन अनुबंधों के लिए है जिनकी निविदा की अंतिम तिथि 1 अप्रैल 2026 से पहले थी।डामर की कीमतों का हवाला देकर सड़क निर्माण में हो रही देरी के बीच बिलासपुर नगर निगम में बेलतरा विधानसभा क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कें आज भी नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। इनमें प्रमुख रूप से अशोक नगर से बिरकोना मार्ग, राजकिशोर नगर चौक से छठ घाट मार्ग तथा साइंस कॉलेज से सब्जी मंडी मार्ग,लिंगियाडीह से रपटा पहुंच मार्ग शामिल हैं। इन सड़कों की स्थिति और निर्माण की प्रतीक्षा को लेकर स्थानीय नागरिक लगातार सवाल उठा रहे हैं।

अंकित गौरहा ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल ठेकेदारों को राहत दिलाना नहीं,बल्कि शहर की जनता को अच्छी सड़कें उपलब्ध कराना है। हमने समय रहते यह सवाल उठाया था कि नगर निगम की सड़कों को भी राहत मिलनी चाहिए। अब शासन ने इस दिशा में आदेश जारी किया है। सरकार और नगर निगम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पात्र कार्यों में राहत का लाभ मिले और सड़क निर्माण में अनावश्यक देरी न हो। सड़कों की बदहाली का खामियाजा रोजाना आम नागरिक,विद्यार्थी, व्यापारी और वाहन चालक भुगत रहे हैं। डामर की कीमतों में वृद्धि को लेकर ठेकेदारों की समस्या का समाधान करने की दिशा में शासन ने कदम उठाया है, लेकिन अब यह स्पष्ट होना चाहिए कि बिलासपुर की इन सड़कों का निर्माण कब शुरू होगा और कब तक पूरा किया जाएगा। जनता को आदेशों और घोषणाओं से आगे बढ़कर राज्य सरकार को निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने का प्रयास करना चाहिए।

संपत्ति का उपयोग व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए कर सकेंगे- राज्यमंत्री श्री पटेल

दमोह प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्राम आलमपुर, तहसील बटियागढ़ में स्वामित्व अधिकार अभिलेख की निशुल्क रजिस्ट्री के लिए विशेष कैंप आयोजित किया गया। कैंप में पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री की कार्रवाई की गई।प्रदेश के आनंद विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख मिलने से हितग्राही अपनी संपत्ति का उपयोग व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए कर सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर बैंक से ऋण लेने, जमानत देने सहित अन्य कार्यों में इन अभिलेखों का उपयोग कर सकेंगे। शासन द्वारा निशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराने से प्रत्येक हितग्राही को औसतन 20 से 25 हजार रुपये की बचत होगी।राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा ग्राम आलमपुर में लगभग 386 हितग्राहियों की रजिस्ट्री की जानी है, जिनमें से अब तक 162 हितग्राहियों की रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। कैंप के दौरान 07 रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया भी प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण की गई।

कर्मयोगी भारत पोर्टल पर मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर, रैंकिंग सुधारने सक्रियता बढ़ाने के निर्देश

दमोह कर्मयोगी भारत' द्वारा निर्धारित स्टेट रैंकिंग फ्रेमवर्क में मध्यप्रदेश 60.45 कंपोजिट स्कोर के साथ कैटेगरी-ष्ट राज्यों में देश में तीसरे स्थान पर है। राज्य की राष्ट्रीय रैंकिंग में और अधिक सुधार लाने तथा शत-प्रतिशत सक्रियता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामान्य प्रशासन विभाग एवं संभागीय कार्यालय द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित रूप से कोर्स पूर्ण करने और पोर्टल पर सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।समस्त विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग के सभी पंजीकृत यूजर्स द्वारा प्रतिमाह कम-से-कम 01 घंटे का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए, जिससे राज्य की राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त हो सके।प्रत्येक लोकसेवक द्वारा द्वत्तह्वङ्ग पोर्टल से प्राप्त किए जाने वाले प्रशिक्षण प्रमाण-पत्रों एवं कोर्स पूर्ण करने की संख्या को उनकी वार्षिक गोपनीय चरित्रावली में अनिवार्य रूप से अंकित/ सम्मिलित किया जावे।शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक लोकसेवक द्वारा न्यूनतम 01 ए.आई. कोर्स तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निर्धारित कम से कम 15 घंटे के कोर्स 31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूर्ण कराए जाएं।जिन कार्यालयों या तृतीय/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों द्वारा अभी तक एक भी कोर्स नहीं किया गया है. उनके लिए कार्यालय स्तर पर सामूहिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जावें। जिला नोडल अधिकारी ने बताया कि आगामी संभागीय राजस्व एवं प्रशासनिक समीक्षा बैठकों में पोर्टल पर विभागवार प्रगति, रैंकिंग की स्थिति तथा में प्रशिक्षण प्रविष्टि के बिंदुओं की गहन समीक्षा की जाएगी।

आस्था और उल्लास के साथ मनेगा छठ पर्व, अरपा तट पर तैयारियां तेज

कलेक्टर और एसएसपी ने छठ घाट का किया निरीक्षण, आयोजन समिति के साथ व्यवस्थाओं पर चर्चा

प्रभात सोंचात्र। सिटी चीफ

बिलासपुर (छ.ग.), लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के आयोजन को लेकर अरपा नदी स्थित छठ घाट पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष 13 से 16 नवंबर तक आयोजित होने वाले पर्व के लिए आयोजन समिति और नगर निगम द्वारा व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने छठ घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और पर्व के सुव्यवस्थित आयोजन के संबंध में चर्चा की।

अरपा तट स्थित छठ घाट पर प्रतिवर्ष बिलासपुर सहित आसपास के शहरों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। सूर्योपासना, स्नान और अर्घ्य अर्पण के लिए जुटने वाले श्रद्धालुओं से घाट पर आस्था और उत्साह का वातावरण बनता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को देखते हुए प्रशासन, नगर निगम और आयोजन समिति के समन्वय से तैयारियां की जा रही हैं।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि छठ पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देता है। श्रद्धालु पूरे विश्वास और श्रद्धा के साथ घाट पर आते हैं। उनकी सुविधा और सम्मान का ध्यान रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने घाट की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश, सुरक्षित आवागमन, पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखने तथा सभी तैयारियां समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि नदी में उतरने वाले स्थानों को सुरक्षित बनाया जाए और गहरे पानी वाले हिस्सों में श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए स्पष्ट संकेत एवं आवश्यक अवरोध लगाए जाएं।

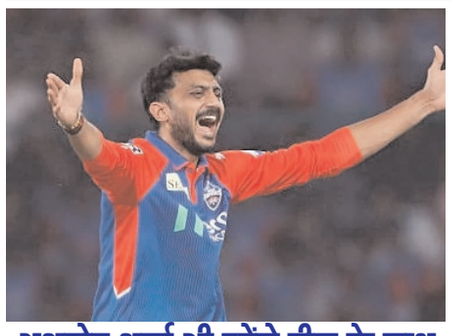


घाट पर प्राथमिक उपचार और आपात सहायता की व्यवस्था रहे। उन्होंने आयोजन समिति के स्वयंसेवकों और संबंधित विभागों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा, ताकि जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता मिल सके।

एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कहा कि श्रद्धालु सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें, इसके लिए पुलिस की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी। घाट तक आने-जाने के मार्गों, प्रवेश एवं निकास स्थलों और भीड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। यातायात और पार्किंग की व्यवस्था इस तरह की जाए कि श्रद्धालुओं के आवागमन में बाधा न हो और आपातकालीन वाहनों के लिए रास्ता उपलब्ध रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का उपयोग करने, बच्चों को साथ रखने तथा पुलिस एवं स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री प्रवीण झा ने कहा कि अरपा तट का छठ आयोजन श्रद्धा के साथ सामाजिक सहभागिता का भी प्रतीक है। समिति का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुविधाजनक वातावरण में पूजा-अर्चना का अवसर मिले। प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति के स्वयंसेवक घाट पर श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से नदी और घाट की स्वच्छता बनाए रखने तथा पूजन सामग्री निर्धारित स्थानों पर रखने की अपील की।

बैठक में प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और आयोजन समिति के समन्वय से पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, समिति के सदस्य श्री धर्मेंद्र दास, श्री विनोद सिंह, श्री धनंजय झा, श्री सुधीर झा, श्री रोशन सिंह, श्री रामप्रताप सिंह, श्री एस.के. सिंह, श्री अर्जुनसिंह, श्री प्रशांत सिंह, श्री कुमुद रंजन सिंह, श्री हरिशंकर कुशवाहा, श्री अनमोल झा, श्री प्रमोद सिंह एवं श्री चंदन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।



अशुतोष शर्मा भी रहेंगे टीम के साथ

दिल्ली कैपिटल्स से नहीं होगा अक्षर पटेल का ट्रेड

आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी है. अक्षर पटेल और अशुतोष शर्मा के ट्रेड होने की अटकलों पर विराम लग गया है. दोनों खिलाड़ी अगले सीजन में भी दिल्ली की टीम का हिस्सा रहेंगे. फ्रेंचाइजी ने साफ कर दिया है कि अब कोई और ट्रेड नहीं होगा. हालांकि, टीम के अगले कप्तान को लेकर फैसला होना बाकी है.

आईपीएल 2027 से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच दिल्ली कैपिटल्स ने अपना रुख साफ कर दिया है. भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल अगले सीजन में भी दिल्ली की जर्सी में नजर आएंगे. उनके साथ मध्यक्रम के बल्लेबाज अशुतोष शर्मा भी टीम का हिस्सा बने रहेंगे. फ्रेंचाइजी से जुड़े सूत्रों ने इन दोनों खिलाड़ियों के ट्रेड होने की खबरों को खारिज कर दिया है.

दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी है और अब टीम की ओर से कोई और ट्रेड नहीं होगा. सूत्र ने इंडिया टुडे से कहा, %दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अब कोई और ट्रेड नहीं होगा.%

इससे पहले दिल्ली ने बड़े ट्रेड के तहत लखनऊ सुपर जायंट्स से ऋषभ पंत के बदले कुलदीप यादव को अपनी टीम में शामिल किया था. वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद से जीशान अंसारी के बदले टी नटराजन को ट्रेड किया गया. इन सौदों के बाद अक्षर पटेल और अशुतोष शर्मा को लेकर भी अटकलें तेज थीं, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अब इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है.

आईपीएल की सभी 10 टीमों को 17 नवंबर तक अपने रिटेन और रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है. इस समयसीमा से पहले ही दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेडिंग का अपना काम पूरा कर लिया है.

खिलाड़ियों के ट्रेड पर तस्वीर साफ होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स के सामने कप्तानी का सवाल है. पिछले सीजन में अक्षर पटेल ने टीम की कमान संभाली थी. हालांकि, अगले सीजन के लिए कप्तान को लेकर फ्रेंचाइजी ने अभी अंतिम फैसला नहीं किया है.

हरियाणा के एक मैदान से जुड़ा है पूरा किस्सा न्यूजीलैंड में क्यों आग बरसा रहे अंशुल कंबोज?



न्यूजीलैंड का ठंडा मौसम और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें अंशुल कंबोज को खूब रास आ रही हैं. पहली बार न्यूजीलैंड में खेल रहे इस भारतीय तेज गेंदबाज के लिए यहां की परिस्थितियां बिल्कुल नई नहीं हैं. इसकी खास वजह है हरियाणा के लाहली मैदान में बिताए उनके शुरुआती क्रिकेट के दिन. कंबोज 13 साल की उम्र से सर्दियों के मौसम में लाहली में क्रिकेट खेलते आ रहे हैं. वहां की ठंड और पिचों पर खेलने का अनुभव अब न्यूजीलैंड में उनके काफी काम आ रहा है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में 25 साल के कंबोज ने अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया है. उन्हें टीम में एक बदलाव के तौर पर मौका मिला और उन्होंने दोनों मैचों में दो-दो विकेट झटके. पहले वनडे में उन्होंने 22 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जबकि दूसरे मुकाबले में 25 रन देकर दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा. अपनी सटीक लाइन और कसी हुई लेंथ से उन्होंने कीवी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया. भारत और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाने वाला तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया. पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है. अब सीरीज के अंतिम दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे. लाहली की सर्दियों ने किया तैयार कंबोज ने आधिकारिक प्रसारणकर्ता से बातचीत में बताया कि न्यूजीलैंड का मौसम और यहां की पिचें उन्हें हरियाणा की याद दिलाती हैं. उन्होंने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था. मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं. इसलिए यहां का मौसम और विकेट मुझे हरियाणा जैसे ही लगते हैं. उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाजों के लिए मददगार परिस्थितियों में भी सटीक गेंदबाजी बेहद जरूरी है. विकेट और मैच की स्थिति के हिसाब से सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालना उनकी प्राथमिकता है. कंबोज के मुताबिक, फिलहाल यही रणनीति उनके काम आ रही है. कंबोज ने न्यूजीलैंड दौरे से पहले इंडिया ए के लिए एक मुकाबला खेला था. इससे उन्हें यहां के मौसम और पिचों को समझने का मौका मिला. उन्होंने बताया कि शुरुआती तौर पर उनका ध्यान परिस्थितियों के अनुकूल ढलने और गेंदबाजी के लिए सही लेंथ तलाशने पर था. उनके मुताबिक, यहां की पिचों में उछाल है और यह समझना जरूरी था कि किस इलाके में गेंद डालने से ज्यादा फायदा मिल सकता है. हरियाणा के करनाल से आने वाले अंशुल कंबोज का शुरुआती क्रिकेट करियर बहुत ज्यादा चर्चा में नहीं रहा. साल 2020 में उन्हें भारत की अंडर-19 टीम में जगह नहीं मिली थी. इस निराशा ने उन्हें हतोत्साहित करने की बजाय और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया. दो सीजन बाद ही वह हरियाणा की सीनियर टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे. 22 साल की उम्र से पहले उन्होंने राज्य की टीम के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर लिया था. रणजी में एक पारी के सभी 10 विकेट घरेलू क्रिकेट में कंबोज की पहचान तब और मजबूत हुई, जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी की एक पारी में सभी 10 विकेट झटकने का कारनामा किया. वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में एक पारी में 10 विकेट लेने वाले सिर्फ तीसरे गेंदबाज बने. उनसे पहले बंगाल के प्रेमांग्शु चटर्जी (1956-57) और राजस्थान के प्रदीप सुंदरम (1985-86) यह उपलब्धि हासिल कर चुके थे. इससे पहले कंबोज ने दलीप ट्रॉफी में भी एक मैच में आठ विकेट लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई थी. घरेलू क्रिकेट में उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें भारत ए टीम में जगह दिलाई. साल 2025 में इंग्लैंड दौरे के दौरान अर्शदीप सिंह के चोटिल होने पर उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया. इंग्लैंड पहुंचने के महज दो दिन के भीतर उन्हें मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में टेस्ट डेब्यू का मौका मिल गया. उस समय उनकी उम्र 24 साल थी. ने बदली किस्मत, धोनी-फ्लेमिंग से भी सीखा हरियाणा को 2023-24 में पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब दिलाने में कंबोज ने अहम भूमिका निभाई थी. इसके बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी की नजर उन पर पड़ी. मुंबई इंडियंस ने उन्हें बेस प्राइस पर खरीदा, लेकिन 2025 की मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया. चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 3.4 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया. आईपीएल 2025 में चेन्नई के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच कंबोज चमकते सितारे के तौर पर सामने आए. इसके बाद आईपीएल 2026 में उन्होंने 14 मैचों में 21 विकेट झटके. इस दौरान भले ही एमएस धोनी एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए,

सैंडपेपरगेट पर 8 साल बाद फिर बवाल ख्वाजा के दावे पर स्टार्क का पलटवार



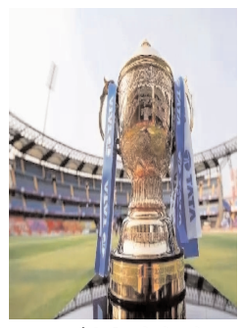
2018 का केपटाउन टेस्ट... गेंद से छेड़छाड़ का वो विवाद, जिसने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की साख को पूरी दुनिया के सामने कठघरे में खड़ा कर दिया था. इस मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर कार्रवाई हुई थी. लेकिन करीब आठ साल बाद अब इस कांड को लेकर एक बार फिर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में घमासान मच गया है.

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद से छेड़छाड़ की साजिश में पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ को जानकारी थी. उन्होंने स्मिथ, वॉर्नर और बैनक्रॉफ्ट को बलि का बकरा बनाए जाने की बात कही है. अब तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने ख्वाजा के दावों को खारिज करते हुए अपनी पुरानी सफाई दोहराई है.स्टार्क का कहना है कि इस मामले में उनका नजरिया और याददाश्त आज भी नहीं बदली है. उन्होंने 2021 में अपने साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें मैदान पर गेंद से छेड़छाड़ के लिए सैंडपेपर लाए जाने की जानकारी नहीं थी.स्टार्क ने कहा, आठ साल पुरानी इस घटना को लेकर अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय हो सकती है. हमसे उस समय भी इस बारे में काफी पूछताछ हुई थी और उसके बाद भी सवाल किए गए. मैं बाकी गेंदबाजों की ओर से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां तक मेरा सवाल है, मेरी राय नहीं बदली है और 2021 में हमने जो कहा था, मेरी याददाश्त भी उसी पर कायम है.उन्होंने आगे कहा, हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि गेंद से छेड़छाड़ करने के लिए कोई बाहरी चीज मैदान पर लाई गई थी. हमने केपटाउन में बड़े स्क्रीन पर सैंडपेपर देखा था. स्टार्क ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने ख्वाजा की नई किताब नहीं पढ़ी है और शायद वह इसे पढ़ेंगे भी नहीं. उन्होंने कहा कि किताब में किए गए दावों की व्याख्या करना ख्वाजा का काम है.उस्मान ख्वाजा की किताब 10 नवंबर को रिलीज हुई है. इसमें उन्होंने 2018 के बॉल टैंपरिंग विवाद को लेकर कई चौंकाने वाले दावे किए हैं. ख्वाजा के मुताबिक, गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी सिर्फ उन तीन खिलाड़ियों को नहीं थी, जिन पर कार्रवाई हुई थी, बल्कि पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ को इसकी जानकारी थी.

उन्होंने यह भी दावा किया कि सैंडपेपर का इस्तेमाल केपटाउन टेस्ट से पहले पोर्ट एलिजाबेथ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट में भी किया गया था.

8000 करोड़ से ज्यादा की लगेगी बोली? आईपीएल में 2 नई टीमों की एंट्री!

दुनिया की सबसे अमीर और पॉपुलर क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दायरा अब और बड़ा होने जा रहा है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2028 से आईपीएल में दो नई टीमों को शामिल करने की योजना बना रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो नई टीमों की रेस में पुणे और वडोदरा शहर सबसे आगे चल रहे हैं. हालांकि बातचीत अभी शुरुआती दौर में है. ऐसा माना जा रहा है कि शहरों के नाम में आगे बदलाव भी संभव है. यह बड़ा विस्तार 2028 से 2032 के अगले मीडिया राइट्स साइकिल के साथ हो सकता है. बढ़ती ग्लोबल पॉपुलैरिटी को देखते हुए हर नई फ्रेंचाइजी की कीमत 1 अरब डॉलर (करीब 8,300 करोड़ रुपये) से अधिक रहने का अनुमान है.इस नई बोली में सिर्फ भारतीय दिग्गज कारोबारी ही नहीं, बल्कि अमेरिका के बड़े फैमिली ऑफिस, मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) के सोवेरिन वेल्थ फंड और ब्रिटेन की प्राइवेट इक्विटी फर्म परमीरा जैसे बड़े विदेशी इन्वेस्टर्स भी मोटा पैसा लगाने को बेताब दिख रहे हैं.



मनोरंजन



स्लिट ड्रेस में दिखाया बेबी बंप

कियारा के ग्लैमर ने ढाया कहर

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी दूसरी बार मां बनने वाली हैं. प्रेग्नेंट कियारा ने करण जौहर के चैट शो में अपने ग्लैमरस लुक से हर किसी का दिल जीत लिया. कियारा रेड ड्रेस में बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आईं.

बॉलीवुड की गॉर्जियस और टैलेंटेड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं. एक्ट्रेस 35 की उम्र में दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं. प्रेग्नेंट कियारा अब पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा संग करण जौहर के चैट शो में पहुंचीं. कियारा ने शो में अपना बेबी बंप भी फ्लॉन्ट किया. करण जौहर ने अपने शो कॉफी विद करण के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो वीडियो इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है. शो में पहली बार कियारा और सिद्धार्थ एक साथ नजर आने वाले हैं. इसलिए दोनों के फैंस के लिए ये एपिसोड काफी खास होने वाला है. प्रोमो वीडियो में पावर कपल सिद्धार्थ और कियारा हाथों में हाथ डाले शो में एंट्री लेते हुए दिखाई दिए. प्रेग्नेंट कियारा शो में रेड गॉर्जियस साइड स्लिट ड्रेस में नजर आई. लेकिन हर किसी की निगाहें कियारा के बेबी बंप पर टिकी रह गईं, क्योंकि दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद कियारा ने पहली बार अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया है. उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो साफ नजर आया. कियारा ने रेड ड्रेस संग ग्लोइंग मेकअप किया. बालों को वेवी लुक देकर ओपन ही रखा. क्लासिक स्टड ईयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस ने अपना लुक कंप्लीट किया. रेड थाई हाई साइड स्लिट ड्रेस में कियारा गॉर्जियस लगीं. फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार रहे हैं. सिद्धार्थ भी सूट-बूट में काफी हैंडसम लगे. करण संग सिद्धार्थ-कियारा की मस्ती शो में करण ने सिद्धार्थ और कियारा से पूछा कि क्या कोई ऐसा किरदार है, जिसे वो रोलप्ले करना चाहेंगे? इसपर सिद्धार्थ ने मजाकिया अंदाज में कहा- हम अपना काम घर और खासकर अपने बेडरूम में नहीं लाना चाहते. करण जौहर ने कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा से यह भी पूछा कि वो यह कैसे ट्राई करते हैं कि उनकी डेट नाइट सिर्फ डेजर्ट पर ही खत्म न हो. इस सवाल पर कियारा ने अपना बेबी बंप थामते हुए कहा- अब बस हो गया...जिसे सुनकर सिद्धार्थ और करण दोनों हंस पड़े. कियारा और सिद्धार्थ के रिश्ते की बात करें तो दोनों ने सीक्रेट डेटिंग के बाद साल 2023 में ग्रैंड इंटीमेट वेडिंग की थी. उनकी शादी में परिवार और करीबी दोस्त-रिश्तेदार ही शामिल हुए थे. शादी के 2 साल बाद 2025 में कपल ने बेटी का वेलकम किया, जिसका नाम उन्होंने सरायाह रखा है. वहीं, अब 35 की उम्र में कियारा दूसरी बार मां बनने वाली हैं. एक्ट्रेस ने 7 अक्टूबर 2026 को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी. अब हर किसी को सिद्धार्थ और कियारा के नन्हे मेहमान का इंतजार है.

बिल्डिंग में लगी आग, बाल-बाल बचीं दिव्यांका



मशहूर टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी इस समय दर्द में हैं. दिवाली से पहले दिव्यांका की बिल्डिंग में भीषण आग लग गई. किसी तरह एक्ट्रेस अपने परिवार और नन्हे जुड़वा बच्चों संग बाहर निकलने में कामयाब हुईं. लेकिन इस हादसे में उनकी बिल्डिंग के गार्ड का निधन हो गया. गार्ड के निधन से दिव्यांका को गहरा सदमा लगा है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट से जरिए इस अनहोनी के बारे में जानकारी साझा की है. दिव्यांका ने हादसे का एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उनकी बिल्डिंग से आग की लपटें निकलती हुई नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस की बिल्डिंग में लगी आग देखकर लोग हैरान-परेशान हो गए हैं. राहत की बात यह है कि हादसे में एक्ट्रेस और उनका परिवार बाल-बाल बच गया है. हालांकि, गार्ड की मौत से उनका दिल टूट गया है. दिव्यांका ने गार्ड के साथ अपना एक यादगार वीडियो शेयर करके अपना दुख जाहिर किया है. उन्होंने पोस्ट में बताया कि जब वो अस्पताल से अपने जुड़वा बच्चों को पहली बार घर लेकर आई थीं, तब उन्हीं गार्ड ने उनके बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया था. दिव्यांका ने पोस्ट में उस रात हुए हादसे की पूरी जानकारी भी दी है. हादसे के बारे में क्या बोलीं दिव्यांका? दिव्यांका ने पोस्ट में लिखा- दिवाली से एक रात पहले और विवेक के बर्थडे वाली रात हमारे अपार्टमेंट की बिल्डिंग में भयानक आग लग गई. उस शाम हमारा बाहर जाने का प्लान था, लेकिन किसी न किसी वजह से वो प्लान टलता जा रहा था. जब यह हादसा हुआ तब हम घर पर ही मौजूद थे. लेकिन समय रहते खतरे का अंदाजा लग गया था और हम अपने बच्चों, परिवार और स्टाफ के साथ सुरक्षित बाहर निकल गए. कुछ समय के लिए हमें लगा कि यह सिर्फ एक भयानक हादसा है. कुछ सामान का ही नुकसान हुआ होगा. हम सुरक्षित निकल गए हैं. लेकिन फिर हमें पता चला कि इस हादसे में हमने धनपत अंकल को खो दिया है. विवेक और मेरे लिए इस खबर पर यकीन करना काफी मुश्किल था. हम लगातार यही दुआ और प्रार्थना कर रहे थे कि काश यह बात सच न हो. दिव्यांका ने आगे बताया- दिवाली पर फिर धीरे-धीरे बिजली बहाल की गई. गैस सप्लाई और लिफ्ट भी सेफ्टी चेक के बाद दिवाली के अगले दिन चालू हो गई. लेकिन उनके साथ जिंदगी पटरी पर नहीं लौटी. आग ने उस दिवाली हमारे घर की रोशनियों को धीमा कर दिया था, लेकिन एक अनमोल इंसान के चले जाने से हमारे दिलों में ऐसा अंधेरा छा गया है,

जिसे रोशनी की कोई भी किरण दूर नहीं कर सकती. उस रात के बारे में बात करने के लिए शब्द जुटाने में भी हमें काफी वक्त लग गया. गार्ड को याद कर भावुक हुई दिव्यांका बिल्डिंग के गार्ड को याद करते हुए दिव्यांका ने लिखा- धनपत अंकल, आप कभी सिर्फ हमारी बिल्डिंग के गार्ड नहीं थे, बल्कि आप हमारी जिंदगी का हिस्सा थे. एक ऐसे इंसान थे, जिनपर हम भरोसा करते थे, जिन्हें हमने अपने बच्चों के आने वाले कल में देखा था. हम आपको बहुत याद करेंगे और जब हमारे बेटे इतने बड़े हो जाएंगे कि बात समझ सकें, तब हम उन्हें उस इंसान के बारे में बताएंगे, जिन्होंने अपनी दुआओं के साथ उनका घर में स्वागत किया था. आप हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक अहम हिस्सा थे. आपकी आत्मा को शांति मिले. दिव्यांका की पोस्ट पर फैंस और सेलेब्स भी दुख जता रहे हैं और इस मुश्किल गड़ी में उन्हें हिम्मत और हौसला रखने की सलाह दे रहे हैं.

लॉरेंस बिश्नोई की हिटलिस्ट में सेलेब्स, मुंबई पुलिस का अलर्ट

मायानगरी मुंबई के सितारों पर संकट मंडरा रहा है. कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से मिल रही धमकियों की वजह से स्टार्स टेंशन में हैं. सलमान खान, कपिल शर्मा, रोहित शेट्टी के बाद टाइगर श्रॉफ पर हुए हालिया अटैक ने इंडस्ट्री को स्तब्ध कर दिया है. बिश्नोई गैंग को लेकर सितारों के बीच दशहत फैली हुई है. मामले की संजीदगी और लगातार आ रहे इनपुट्स को देखते हुए मुंबई पुलिस ने बी-टाउन स्टार्स के लिए एडवाइजरी जारी की है. मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने सभी एक्टर्स से कहा है कि वो सार्वजनिक ठिकानों पर फैंस के बीच जाने से बचें. स्टार्स को भीड़भाड़ से बचने की सलाह दी गई है. सूत्रों ने बताया कि एक्टर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सबको एहतियातन हिदायत बरतने को कहा गया है. मालूम हो, टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले के बाद कई सेलिब्रिटी के घर के बाहर रेकी किए जाने की जानकारी सामने आई थी. इनमें रणबीर कपूर, आमिर खान, अक्षय कुमार, अमिताभ बच्चन और सलमान खान का नाम शामिल था. पुलिस की पूछताछ में शूटर्स ने कई बड़े सेलेब्स के घरों की रेकी किए जाने की बात कबूली थी. अमिताभ के घर को ग्रेनेड से उड़ाने की धमकी मिली थी. दिलजीत दोसांझ



के दिल्ली में हुए कॉन्सर्ट को लेकर भी धमकी मिली थी. सिंगर के कॉन्सर्ट में सुसाइड अटैक करने की धमकी आई थी. धमकियों का ये सिलसिला यहीं नहीं थमा. तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकी मिली. हालांकि कुछ धमकियां जांच में फेक पाई गईं. तुषार और आयुष्मान को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताकर धमकाने वाला शख्स फेक निकला. जांच में सामने आया कि वो लॉरेंस के नाम पर कई सितारों को धमका चुका था. वैभव मिश्रा नाम का ये शख्स बेंगलुरू से आईटी इंजीनियर निकला. उसका लॉरेंस गैंग से कोई संबंध नहीं है. टाइगर पर हुई फायरिंग से हिला बॉलीवुड 18 अक्टूबर को जुहू में टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोलीबारी हुई थी.

सबा बोलीं- मेरा कभी कोई पहला बॉयफ्रेंड नहीं रहा

बॉलीवुड डीवा शर्मिला टैगोर की बेटी सबा पटौदी शोबिज से दूर रहती हैं. वो जूलरी डिजाइनर, टैरो रीडर, स्पिरिचुअल हीलर हैं. सबा खान 50 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं. उन्हें आज तक वो शख्स नहीं मिला, जिसके साथ वो शादी के बंधन में बंध सके. लेकिन सबा ने हार नहीं मानी है. वो शादी और प्यार के लिए ओपन हैं.सबा खान ने बताया कि उनका प्यार में कभी दिल नहीं टूटा है. सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में वो कहती हैं- मेरा कभी कोई पहला बॉयफ्रेंड नहीं रहा. मुझे 18-19 साल की उम्र में बहुत सारे लोगों से इंट्रोड्यूस जरूर कराया गया था शादी के लिए. लेकिन बात नहीं बनी. मुझे वो सूटेबल शख्स नहीं मिला. कोई ऐसा नहीं मिला जो मेरे पिता की तरह हो. कोई ऐसा जिसकी अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी हो, इंडिपेंडेंट हो, जो आपकी जिम्मेदारी सिखाए, आपकी इज्जत करे. जब आपकी परवरिश ऐसे माहौल में होती है तो आप खुद के लिए भी वैसा ही शख्स ढूंढ़ते हो. तब मुझे कोई इन खूबियों वाला नहीं मिला.सबा ने कहा वो आज भी शादी के लिए ओपन हैं. उन्हें यकीन है कि सही पार्टनर इस उम्र में भी मिल सकता है. उन्होंने कबूला कि इस उम्र में कभी-कभी उन्हें अकेलापन खलता है. वो कंपैनियशिप और पार्टनर को लेकर सोचती हैं. वो खुद के लिए अमीर और हैंडसम लड़का नहीं ढूंढ़ रही हैं. सबा का मानना है ये चीजें एक वक्त के बाद मायने नहीं रखती हैं. सबा ने क्लियर किया कि उन्होंने किसी का दिल नहीं तोड़ा है. ना ही कोई उनका दिल तोड़कर गया है.सबा ने कहा कि उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल पल वो था, जब उनके पिता मंसूर अली खान पटौदी का निधन हुआ था. सैफ, सोहा में से सबसे ज्यादा वो फैमिली के साथ रही थीं. सबा ने माना कि पिता के जाने का उन पर गहरा सदमा लगा था. वो अपने दुख से भाग रही थीं. सच को कबूल नहीं करना चाहती थीं. लेकिन कोरोना लॉकडाउन के वक्त वो इस सच को अपना पाईं. पिता संग बिताए पलों को वो आज भी बहुत मिस करती हैं.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात को 2028 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया

अहमदाबाद. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात को 31 दिसंबर 2028 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है. उन्होंने लोगों से अपील की कि नशीले पदार्थों के सेवन और अवैध बिक्री की जानकारी विशेष हेल्पलाइन नंबरों के जरिए अधिकारियों तक पहुंचाएं. शाह सोमवार को अहमदाबाद में 1,024 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे.

शाह ने कहा कि देश को नशामुक्त बनाने के लिए 31 दिसंबर 2029 की समयसीमा तय की गई है, लेकिन गुजरात को इससे एक साल पहले ही यह लक्ष्य हासिल करना होगा. उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन युवाओं के मस्तिष्क, शरीर और सोचने-समझने की क्षमता को नुकसान पहुंचाता है. इससे देश की भावी पीढ़ी कमजोर होती है. उन्होंने मादक पदार्थों के कारोबार से होने वाली कमाई को आतंकवाद के वित्तपोषण से भी जोड़ा.

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार देश को नक्सलवाद से मुक्त कराने में सफल रही है, लेकिन नशे के खिलाफ लड़ाई में भी लगातार



प्रयास जारी रखने होंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वयं के गुजरात से होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य को 2029 तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है. गुजरात को 31 दिसंबर 2028 से पहले ही नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे.शाह ने कहा कि नशे की रोकथाम में शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका है. शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार पर नजर रखनी चाहिए. यदि किसी छात्र की आंखें लाल रहती हैं, वह कक्षा में सोता है या पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पाता है तो इसे गंभीरता से लेते हुए उचित जांच करानी चाहिए. अभिभावकों को भी किशोर उम्र के बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान गांधीनगर के अंतर्गत अहमदाबाद नगर निगम की नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया. इसके अलावा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास आवंटन के लिए कम्प्यूटरीकृत लॉटरी निकाली गई और पौधरोपण अभियान भी चलाया गया.नशामुक्ति अभियान को लेकर ये घोषणाएं शनिवार को अहमदाबाद में शाह की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद की गई हैं.

कारोबारियों को निशाना बनाने की तैयारी में थे जीजा-साला, Made in USA पिस्टल के साथ गिरफ्तार



चतरा. झारखंड के चतरा जिले में पुलिस ने कारोबारियों को निशाना बनाने की कथित साजिश का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. दोनों रिश्ते में जीजा-साला बताए जा रहे हैं. पुलिस ने इनके कब्जे सेलिखा एक पिस्टल, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी इलाके के स्वर्ण कारोबारियों और अन्य बड़े व्यवसायियों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुंदा थाना क्षेत्र में अवैध हथियार के साथ कुछ संदिग्ध लोगों के मौजूद होने और बड़ी आपराधिक घटना की तैयारी करने की सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन के नेतृत्व में कार्रवाई की योजना बनाई गई.

थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी शुरू की गई. इसी दौरान पिंजनी गांव के पड़रियाबर टोला स्थित तीन मोहान के पास मोटरसाइकिल से जा रहे एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की.

पुलिस टीम ने पीछा कर युवक को पकड़ लिया. उसकी तलाशी लेने पर एक पिस्टल बरामद हुई, जिस पर लिखा था. इसके साथ 9 एमएम का एक कारतूस और दो मिसफायर गोलियां भी मिलीं. पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली.गिरफ्तार युवक की पहचान मांझीपाड़ा निवासी दशरथ कुमार भारती के रूप में हुई. पूछताछ के दौरान उसने अपने साले विक्रम कुमार की भूमिका के बारे में जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने एकता गांव के मरगड़ा टोला निवासी विक्रम को भी गिरफ्तार कर लिया.अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी क्षेत्र के स्वर्ण कारोबारियों और अन्य बड़े व्यवसायियों को निशाना बनाने की तैयारी में थे. पुलिस का दावा है कि विक्रम ने ही दशरथ को हथियार उपलब्ध कराया था.पुलिस ने बताया कि दशरथ कुमार भारती का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. उसके खिलाफ कुंदा थाने में एक अन्य मामला भी दर्ज है. फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ और मामले की आगे की जांच की जा रही है.

कन्नौज में भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार चार दोस्तों को वाहन ने मारी टक्कर; तीन की मौत

कन्नौज. उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन दोस्तों की जान चली गई, जबकि चौथा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. चारों एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी तिर्वा-इंदरगढ़ मार्ग पर कचाटीपुर गांव के पास सामने से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. हादसे के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया.जानकारी के अनुसार, आगौस गांव निवासी 35 वर्षीय विजय कुमार बाइक से अपने गांव के तीन दोस्तों 28 वर्षीय मनीष कुमार सविता, 45 वर्षीय वेदराम पाल और 30 वर्षीय आशीष कुमार सविता के साथ इंदरगढ़ के विशेनेपुर्वा गांव जा रहे थे.सोमवार रात करीब 11:30 बजे जब उनकी बाइक कचाटीपुर गांव के



पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे एक वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए.हादसे में विजय कुमार, मनीष कुमार सविता और वेदराम पाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वहीं, आशीष कुमार सविता गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने कानपुर रेफर कर दिया.शुरुआती जानकारी में हादसे में थार गाड़ी के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी वाहन की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. घटना के बाद से वाहन चालक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है.पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके. मामले में आगे की जांच जारी है.

स्टील के गिलास में सुतली बम रखकर फोड़ना पड़ा भारी, धमाके में 12 साल के मासूम की मौत

बूंदी. राजस्थान के बूंदी जिले में गोवर्धन पूजा के दिन पटाखे से जुड़ा एक दर्दनाक हादसा हो गया. घर के बाहर सुतली बम फोड़ रहे 12 वर्षीय बच्चे की विस्फोट में जान चली गई. बताया जा रहा है कि बच्चे ने सुतली बम को उल्टे रखे स्टील के गिलास के अंदर रखकर जलाया था. धमाके के कारण गिलास के नुकीले टुकड़े उसके सीने में जा धंसे.

पुलिस के मुताबिक, हादसा बूंदी सदर थाना क्षेत्र के मंडी रोड स्थित नानकपुरिया तिराहे के पास हुआ. मृतक बच्चे की पहचान 12 वर्षीय साजन के रूप में हुई है. घटना के समय वह अपने घर के बाहर अकेले पटाखे जला रहा था.

इसी दौरान उसने एक सुतली बम को उल्टे रखे स्टील के गिलास के अंदर रख दिया और उसमें आग लगा दी. बम फटते ही जोरदार धमाका हुआ. विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि स्टील का गिलास टूटकर कई नुकीले टुकड़ों में बिखर गया.

धमाके के बाद गिलास के



टुकड़े छर्रों की तरह बच्चे की छाती में जा लगे. गंभीर रूप से घायल साजन खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा. हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई.बताया गया कि घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर के अंदर गोवर्धन पूजा की तैयारियों में व्यस्त थे. अचानक हुए धमाके और हादसे से परिवार में चीख-पुकार मच गई.

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल एसएचओ रमेश आर्य और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ आवश्यक कार्रवाई की. बच्चे को अस्पताल भी ले जाया गया, जहां उसकी मौत की पुष्टि हुई.बूंदी नगर परिषद के सभापति भारत शर्मा भी अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया. पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पोस्टमार्टम के बाद बच्चे का शव परिजनों को सौंप दिया गया है. मामले में आगे की कानूनी जांच की जा रही है.यह हादसा एक बार फिर पटाखों के साथ खतरनाक प्रयोग करने के गंभीर परिणामों की याद दिलाता है.

बिजनेस



आज से चलेगी स्पेशल वंदे भारत ट्रेन छठ पर रेलवे का खास तोहफा

छठ-पूजा पर घर जाना है और अगर कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है तो घबराएं नहीं. छठ पूजा की भीड़ को देखते हुए नई दिल्ली से पटना के बीच वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं. खास बात यह है कि ये ट्रेन सुबह दिल्ली से खुलेगी और शाम में पटना पहुंच जाएगी. दरअसल, छठ पर रेल यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली और पटना जंक्शन के बीच विशेष वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला लिया है. वंदे भारत हाईटेक ट्रेन है और इससे सफर बेहद आरामदायक रहता है. छठ त्योहार के दौरान होने वाली अतिरिक्त भीड़ के लिए रेलवे ने दो जोड़ी स्पेशल वंदे भारत ट्रेनें चलाने की पूरी रूपरेखा तैयार की है. गाड़ी संख्या 02258 (नई दिल्ली से पटना जंक्शन):- यह ट्रेन 11 नवंबर 2026 (बुधवार) को सुबह 05:00 बजे नई दिल्ली से रवाना होगी और उसी दिन शाम 18:30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. यानी दिनभर का सफर होगा. सुबह ट्रेन दिल्ली से खुलेगी और शाम होते ही यात्रा पटना पहुंच जाएंगे. गाड़ी संख्या 02257 (पटना जंक्शन से नई दिल्ली):- यह ट्रेन वापसी में 12 नवंबर 2026 को सुबह 08:00 बजे पटना जंक्शन से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 21:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी. वापसी में भी दिनभर का सफर होगा.गाड़ी संख्या 02436 (नई दिल्ली से पटना जंक्शन):- यह ट्रेन 13 नवंबर 2026 को सुबह 08:35 बजे नई दिल्ली से खुलेगी और उसी दिन रात 21:30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी. गाड़ी संख्या 02435 (पटना जंक्शन से नई दिल्ली):- यह ट्रेन पटना से वापसी में 14 नवंबर 2026 को सुबह 08:00 बजे पटना जंक्शन से चलेगी और रात 21:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी.इन दोनों फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों में 16-कार वंदे भारत कोच का उपयोग किया गया है, जिससे अधिक से अधिक यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सके. इन दोनों जोड़ी ट्रेनों का ठहराव अलीगढ़ जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में निर्धारित किया गया है.

डिफेंडर की नकल के आरोप में कंपनी के ऑफिस पर रेड डिजाइन विवाद में फंसी BYD

ऑटोमोबाइल की दुनिया में डिजाइन की नकल को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आया है. इस बार दुनिया की दिग्गज इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है. ब्रिटिश लग्जरी कार निर्माता जगुआर लैंडरोवर ने आरोप लगाया है कि की नई 7 का डिजाइन उसके मशहूर मॉडल डिफेंडर से मिलता-जुलता है और इसमें कंपनी के बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन किया गया है. मामला इतना गंभीर हो गया कि के दो दफ्तरों पर छापेमारी की गई और वहां से डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए.

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2026 में कोर्ट की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने नीदरलैंड्स में के शिडैम और हॉफडॉर्प स्थित कार्यालयों की तलाशी ली. यह कार्रवाई जगुआर लैंडरोवर के साथ चल रहे कानूनी विवाद के तहत की गई. अधिकारियों ने कंपनी के दफ्तरों से डिजिटल रिकॉर्ड और कुछ जरूरी दस्तावेज जब्त किए हैं.

जगुआर लैंडरोवर को शक है कि ने डिफेंडर एसयूवी को डिस्मेंटल कर यानी की पूरी एसयूवी को खोलकर उसकी तकनीक और डिजाइन से जुड़ी जानकारियों का स्टडी किया था. इसके बाद कथित तौर पर रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए इन जानकारियों का इस्तेमाल को डेवलप करने में किया गया. हालांकि, अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि ने वास्तव में किसी बौद्धिक संपदा अधिकार का उल्लंघन किया है या नहीं.

इस मामले में 11 नवंबर 2026 को नीदरलैंड्स के हेग में शुरुआती सुनवाई होनी है. के वकीलों ने छापेमारी के दौरान जब्त किए गए रिकॉर्ड के दायरे पर सवाल उठाए हैं.



उन्होंने इस कार्रवाई को फिशिंग एक्सपीडिशन बताया है. कानूनी भाषा में इसका मतलब बिना किसी स्पष्ट सीमा के बड़े पैमाने पर सबूत और जानकारी जुटाने की कोशिश है. फिलहाल दोनों कंपनियों ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है.

बिल्ड योर ड्रीम यानी ने सितंबर 2025 में चीन में को अपने फैंग चेंग बाओ ब्रांड के तहत नाम से पेश किया था. बाद में इसे नाम दिया गया. इस का डिजाइन काफी बॉक्सी रखा गया है. इसमें स्ट्रेट और हाई फ्रंट डिजाइन, स्क्वायर व्हील आर्क और पीछे की तरफ लगा स्टोरेज कंपार्टमेंट मिलता है. यही वजह है कि इसके लुक की तुलना अक्सर डिफेंडर से की जाती रही है.इस एसयूवी की लंबाई 4,999 मिमी, चौड़ाई 1,995 मिमी और ऊंचाई 1,865 मिमी है. इसमें 2,920 मिमी का व्हीलबेस मिलता है. चीनी बाजार में यह 5-सीटर कॉन्फिगरेशन में आती है, जबकि यूरोप में एक्सपोर्ट किए जाने वाले मॉडल में 7 सीटें दी गई हैं. ब्रिटेन में मिलने वाले मॉडल की लंबाई पीछे लगे स्पेयर व्हील सहित 5,146 मिमी है.

चीन में 7 को शुरुआत में प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक के साथ लॉन्च किया था. इस में 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर दी गई हैं. कंपनी इसे टू-व्हील ड्राइव और ऑल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्पों में पेश करती है. इसके बाद अप्रैल 2026 में ने 7 का पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन भी चीन में पेश किया. कंपनी का दावा है कि, इसका प्योर इलेक्ट्रिक वर्जन सिंगल चार्ज में 755 किलोमीटर तक की रेंज देती है.इसके प्लग-इन हाइब्रिड वेरिएंट की शुरुआती कीमत 1,79,800 युआन (करीब 25.30 लाख रुपये) रखी गई थी, जबकि इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 2,19,800 युआन (करीब 30.93 लाख रुपये) थी. वहीं इसके इलेक्ट्रिक वर्जन की कीमत 1,99,800 युआन (करीब 28.12 लाख रुपये) से शुरू होकर 2,39,800 युआन (करीब 33.75 लाख रुपये) तक जाती है.

अब 7 को यूरोपीय बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है. कंपनी ने ब्रिटेन में इस के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है. यहां इसकी कीमत 47,995 पाउंड (करीब 60.29 लाख रुपये) रखी गई है. वहीं, 7-सीटर डिफेंडर 110 की कीमत 68,465 पाउंड (करीब 86 लाख रुपये) है.

नए रंग में और दमदार दिखेगा Ntorq TVS का धांसू स्कूटर लॉन्च

भारतीय बाजार में स्पोर्टी स्कूटर पसंद करने वाले ग्राहकों के बीच टीवीएस एनटॉर्क की अपनी अलग पहचान है. कंपनी ने अब इस स्कूटर को एक नए लुक के साथ बाजार में उतारा है. ने अपने पावरफुल स्कूटर एनटॉर्क 150 के लिए नया स्पेक्ट्रल ग्रीन कलर पेश किया है. यह नया रंग खासतौर पर उन लोगों को पसंद आ सकता है, जो अपने स्कूटर में कुछ अलग चाहते हैं, लेकिन ज्यादा चमकदार या भड़कीले रंगों से बचना पसंद करते हैं. टीवीएस एनटॉर्क 150 का नया स्पेक्ट्रल ग्रीन शेड देखने में काफी अलग और आकर्षक है. इसमें डार्क ऑलिव ग्रीन बॉडी फिनिश दी गई है, जिसके साथ ग्रे और फ्लोरोसेंट येलो रंग के ग्राफिक्स मिलते हैं. स्कूटर के फ्रंट फेंडर और पीछे के बॉडी पैनल पर भी फ्लोरोसेंट येलो कलर की हाइलाइट्स दी गई हैं. कंपनी का यह नया कलर बाकी तीन रंगों के मुकाबले थोड़ा सादा और प्रीमियम नजर आता है. इसमें स्पोर्टी लुक के साथ लाइट और यूनिक अंदाज देखने को मिलता है. खासकर उन ग्राहकों के लिए यह



अच्छा विकल्प हो सकता है, जो ब्लैक या दूसरे रेगुलर कलर से हटकर कुछ नया चाहते हैं. इस नए रंग के आने के बाद एनटॉर्क 150 कुल चार कलर ऑप्शन में उपलब्ध हो गया है. इंजन और परफॉर्मेंस नए कलर के अलावा ने एनटॉर्क 150 में कोई मैकेनिकल बदलाव नहीं किया है. स्कूटर में पहले की तरह 149.7 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, 3-वाल्व और एयर-कूल्ड इंजन मिलता है. यह इंजन की पावर और का टॉर्क जनरेट करता है. यानी नया स्पेक्ट्रल ग्रीन कलर चुनने वाले ग्राहकों को इंजन और परफॉर्मेंस के मामले में पहले जैसा ही अनुभव मिलेगा. कंपनी ने फिलहाल केवल इसके लुक में बदलाव किया है. वेरिएंट में मिलते हैं ये खास फीचर्स चूंकि नया स्पेक्ट्रल ग्रीन कलर केवल वेरिएंट में पेश किया गया है, इसलिए इसमें 5-इंच का डिस्प्ले मिलता है. इसमें सिस्टम के जरिए स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और इससे जुड़े कई फीचर्स दिए गए हैं. इसके अलावा स्कूटर में दो राइडिंग मोड, ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम और जैसे फीचर्स भी मिलते हैं. कीमत की बात करें तो टीवीएस एनटॉर्क 150 के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 1,12,900 रुपये (एक्स-शोरूम) है. वहीं, वेरिएंट के लिए ग्राहकों को 1,22,100 रुपये खर्च करने होंगे. नया स्पेक्ट्रल ग्रीन कलर इसी वेरिएंट में उपलब्ध है. इस तरह कंपनी ने बिना इंजन या फीचर्स में कोई बदलाव किए एनटॉर्क 150 को नया लुक दिया है. अब देखना होगा कि इसका नया स्पेक्ट्रल ग्रीन शेड ग्राहकों को कितना पसंद आता है.

घर बैठे सुधारें पीएफ की गलती

कर्मचारी भविष्य निधि खाते में दर्ज नाम, जन्मतिथि या पिता के नाम में छोटी सी गलती भी आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकती है. इसकी वजह से आपका पीएफ क्लेम अटक सकता है, एक खाते से दूसरे खाते में पैसा ट्रांसफर करने में दिक्कत आ सकती है और पेंशन का लाभ लेने में भी समस्या हो सकती है. अच्छी बात यह है कि अब इन गलतियों को ठीक कराने के लिए आपको बार-बार दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है.कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने सदस्यों के लिए ऑनलाइन जॉइंट डिक्लेरेशन की सुविधा दी है. इसके जरिए आप घर बैठे पोर्टल पर अपनी व्यक्तिगत और नौकरी से जुड़ी जानकारी में सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन जॉइंट डिक्लेरेशन सुविधा के जरिए सदस्य अपने पीएफ खाते में दर्ज कई जानकारियों में सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं. ध्यान रखें कि सुधार के लिए सही जानकारी दर्ज करना और उसके समर्थन में जरूरी दस्तावेज देना अहम है. ऑनलाइन आप अपने ईपीएफओ खाते में मुख्य रूप से ये विवरण घर बैठे कर सकते हैं..सबसे पहले के आधिकारिक मेंबर पोर्टल पर जाएं. यहां अपना,ह यानी यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, पासवर्ड और स्क्रीन पर दिख रहा कैप्चा दर्ज करके लॉगइन करें.अब स्क्रीन पर आपके खाते से जुड़ी जानकारियां दिखाई देंगी. इनमें से जिस विवरण में सुधार करना है, उसे चुनें. उदाहरण के लिए नाम, जन्मतिथि, पिता का नाम या नौकरी ज्वाइन करने की तारीख.अब संबंधित जानकारी का सही विवरण दर्ज करें. नाम की स्पेलिंग और जन्मतिथि जैसी चीजों को अच्छी तरह जांच लें. इसके बाद पोर्टल पर मांगे गए सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें. इनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज शामिल हो सकते हैं.आखिरी चरण में भरी गई जानकारी और अपलोड किए गए दस्तावेजों को दोबारा जांच लें. सब कुछ सही होने पर बटन पर क्लिक करें. इसके बाद आपका आवेदन आगे की प्रक्रिया और नियोक्ता के वेरिफिकेशन के लिए भेज दिया जाएगा.

स्वामी, प्रकाशक एव मुद्रक श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा काम्पेक प्रिंटर्स प्रा.लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45 ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-आशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं-0731-4202569 फैक्स नं-0731-4202569